www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –127 I भोपाल, शुक्रवार, 9 मई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर असंतुष्ट नजर आए कन्याल पृष्ठ 2

हिंद की सेना का जवाब कि, 'हां तुम एक विफल राष्ट्र हो!' पृष्ठ 4

स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के साथ विधायक ने बनाई कार्ययोजना पृष्ठ 6

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का प्रतीक पृष्ठ 8

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान को निशाना बनाकर पाकिस्तान ने दागी मिसाईलें, भारत कर रहा नाकाम

लाहौर पर भारत ने किया बड़ा हमला

पाक के युद्धक विमान एफ-16 और एफ-17 मार गिराए

नई दिल्ली, जम्मू कश्मीर, देशबन्धु। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जहां भारत के 15 शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की वहीं रात को फिर मिसाईलें दागीं। जिन्हें भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की यह हिमाकत देखते हुए भारत ने बड़ा जवाबी हमला किया है और रात 9 बजे के बाद लाहौर पर सीधा ड्रोन से मिसाईल अटैक किया गया है। वहां लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को भी भारत ने ध्वस्त का दिया है। विदेश मंत्री जयशंकर प्रसाद ने कहा है कि- भारत पाकिस्तान की इस गलत कोशिश का मुंहतोड़ जवाब देगा उन्होंने यूरोपियन यूनियन से भी बात की। उधर भारतीय सेना ने अपने अदम्य शैर्य का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के युद्धक विमान एफ-16 और एफ-17 को मार गिराए हैं जिससे पाकिस्तानी सेना और हुक्मरानों में हड़कम्प है। समाचार लिखे जाने तक भारत के भरपूर वार ने पाकिस्तान की कई मिसाईलों को नष्ट कर दिया और उनके रक्षा उपकरणों पर भी बड़ी तबाही बरपा रहा है।

एस-400 मिसाइल सिस्टम से हमलों को नाकाम किया

धर्मशाला में आईपीएल मैच रद्द

उधर भारत द्वारा तगड़ा जवाब देने और नसीहत के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। रात को पुंछ और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में मिसाईलें दागी गईं जिन्हें भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। खबर है कि पुंछ के गुरुद्वारे पर हमला किया गया जिसमें कुछ बच्चों की मौत होने की खबर है। दूसरी ओर जोधपुर में भी पाकिस्तानी हमले को देखते हुए रात्रि 12 से प्रात: 4 बजे तक पूर्ण ब्लैक आउट का ऐलान किया गया है। उधर धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच नं. 58 को सीमा पर हमले की वजह से रोक दिया गया और बाद में उसे रद्द करने की घोषणा कर दी गई। खतरे को देखते हुए धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम की सभी फ्लड लाईट बंद कर दी गईं और मैच बीच में ही रोक दिया गया।

नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी में 16 लोगों की जान गई

पाकिस्तान नियंत्रण रेखा स्थित जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उड़ी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टर में मोर्टार से गोले दाग रहा है, इनमें 16 नागरिकों की जान गई है। इनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। यहां भी भारत को पाकिस्तान को करारा जवाब देना पड़ा, जिसके बाद पाकिस्तान को गोलाबारी रोकना पड़ी।

भारत के 15 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश

पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम किया तबाह

पहलगाम हमले के जवाब में भारत के मिसाइल हमलों के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। अपनी बौखलाहट में उसने भारत के कई अग्रिम स्थानों पर गोलाबारी की है। हालांकि, भारतीय सेनाओं की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को काफी खामियाजा उठाना पड़ा है। भारत की सीमा से सटे पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर लाहौर में उसे काफी नुकसान पहुंचा है। भारत ने लाहौर में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। इसी के साथ, पाकिस्तान ने भारत में 15 शहरों में स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे सेना ने नाकाम कर दिया। गुरुवार शाम विदेश सचिव विवेक मिस्त्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दोबारा प्रेस ब्रीफिंग कर इस जानकारी को दोहराया। गुरुवार सुबह से पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से इस तरह की खबरें सामने आ रही थीं कि लाहौर में कुछ धमाके सुनाई दिए हैं। अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों से भी इसी तरह की खबरें सामने आ रही थीं। इसके बाद सरकार के पत्र सूचना कार्यालय यानी पीआईबी की तरफ से दोपहर 2:34 बजे एक वक्तव्य जारी किया गया। इसमें कहा गया कि माहौल को और तनावपूर्ण बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय बैठक हुई

सभी दलों ने सरकार व सेना के कदम का समर्थन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की कार्रवाई के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अध्यक्षता की और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी सभी दलों के नेताओं के साथ साझा की। बैठक में सभी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार और सेना के इस कदम का समर्थन किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज सर्वदलीय बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बहुत अच्छे से हुई है। गंभीर विषय था इसलिए सभी ने गंभीरता से अपने बात रखी। सबसे पहले रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी ने अपना मत रखा और सुझाव भी दिए। सभी नेताओं ने सेनाओं को बधाई भी दी। कहा कि हम एकजुट हैं और सेना की हर कार्रवाई में साथ देंगे। मैं सभी नेताओं को धन्यवाद करता हूं और ये सकारात्मक बैठक थी।

रिजिजू ने फेक न्यूज के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा, कई फेक न्यूज फैलाई जा रही हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि केवल प्रामाणिक सूचनाओं पर भरोसा करें और असत्यापित खबरों से बचें। उन्होंने नेताओं द्वारा दिए गए सुझावों को मूल्यवान बताया और कहा कि सरकार इन पर विचार करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी ने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस मुद्दे पर चर्चा की जाए।

आदेश जारी, 5 किस्तों में होगा एरियर का भुगतान

प्रदेश के कर्मचारियों को मिलेगा 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत देते हुए 1 मई 2025 से 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने का आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा और कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त विभाग ने जारी किए हैं। इसका लाभ सातवें और छठवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों, पेंशनरों को मिलेगा। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, सातवें वेतनमान के अंतर्गत फिलहाल फरवरी 2024 से 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा था। अब यह एक मई 2025 से बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसका भुगतान जून 2025 से होगा। वहीं एक जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि को पांच समान किश्तों में जून से अक्टूबर 2025 के बीच वितरित किया जाएगा। जो अधिकारी-कर्मचारी एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त होंगे या जिनकी इस अवधि में मृत्यु हो चुकी है, उन्हें अथवा उनके नामित परिजनों को भी एरियर का भुगतान किया जाएगा।पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स के लिए भी महंगाई राहत बढ़ा दी गई है। उन्हें एक मार्च 2025 से सातवें वेतनमान पर 53 प्रतिशत और छठे वेतनमान पर 246 प्रतिशत दर से राहत दी जाएगी। इससे पहले वे क्रमश: 50 प्रतिशत और 239 प्रतिशत की दर से राहत पा रहे थे। इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लिए गए निर्णय पर मध्यप्रदेश ने सहमति प्रदान की है। छठवां वेतनमान पा रहे कर्मचारियों को एक जुलाई 2024 से 246 प्रतिशत और एक जनवरी 2025 से 252 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता मिलेगा।

उत्तरकाशी में हेलीकॉप्टर क्रेश, 6 की मौत

- मुख्यमंत्री धामी ने जांच के दिए निर्देश

उत्तरकाशी, देशबन्धु। गुरूवार की सुबह जनपद के गंगनानी के समीप एक हेलीकॉप्टर के क्रैश होने से पायलेट सहित उसमे सवार छह लोगों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घायलों को उपचार के लिए ऋषिकेश एम्स लाया गया है। हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। हेलीकॉप्टर ने दून के सहस्त्रधारा हेलीपैड से हर्षिल के लिए उड़ान भरी थी। गुरुवार की सुबह लगभग आठ बजे हेलीकॉप्टर क्रैश होने की सूचना मिलते ही प्रशासन और राहत-बचाव टीमें मौके की ओर रवाना हो गई। दुर्घटनास्थल पर पहुंचते ही टीमों ने रेस्क्यू शुरू कर दिया। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल 7 लोग सवार थे। इनमें से छह लोगों की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हुआ हैं। बताया जा रहा है कि यह प्राइवेट कम्पनी का हेलीकाप्टर एयरोट्रांस सर्विस का था। दुर्घटनास्थल पर पुलिस, आर्मी फोर्स, आपदा प्रबंधन, 108 एंबुलेंस वाहन, तहसीलदार भटवाड़ी, एसडीएम भटवाड़ी और राजस्व टीम पहुंचीं और उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेलीकॉप्टर हादसे पर दुख जताया है और उन्होंने इस पूरी घटना की जांच के लिए निर्देश भी दिए हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, उत्तरकाशी के गंगनानी के समीप हेलीकॉप्टर क्रैश में कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत दु:खद समाचार प्राप्त हुआ है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।

प्रदूषण निकायों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

दिल्ली, उप्र व हरियाणा के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को फटकार लगाई है। यह फटकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियों को लेकर लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 55 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रिक्तियों की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काम नहीं कर पा रहे हैं और लगभग खत्म होने के कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को फटकार लगाई है। यह फटकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियों को लेकर लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 55 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रिक्तियों की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काम नहीं कर पा रहे हैं और लगभग खत्म होने के कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

निशिकांत दुबे की टिप्पणियां गैर-जिम्मेदाराना

सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की न्यायपालिका और भारत के मुख्य न्यायाधीश पर की गई टिप्पणियों को बहुत गलत बताया है। कोर्ट ने कहा कि ये टिप्पणियां 'बेहद गैर-जिम्मेदाराना' और ध्यान खींचने वाली हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि ये टिप्पणियां संवैधानिक अदालतों के कामकाज के बारे में उनकी अज्ञानता को दर्शाती हैं। हालांकि, कोर्ट ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। कोर्ट का कहना है कि इस तरह की बेतुकी टिप्पणियों से न्यायपालिका में जनता का विश्वास नहीं डगमगा सकता। कोर्ट ने यह बात वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कही।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की सिफारिश

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले में जांच समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने सख्त कदम उठाया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश केंद्र से की है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट तथा जस्टिस वर्मा से मिले जवाब को साझा किया है।

KIIT
KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

15th nirf Among Indian Universities Ranked by NIRF, Govt. of India
A++ Grade Accredited by NAAC
Tier 1 NBA Re-accredited by NBA All Engineering Programs for 6 Years

KIITEE 2025 PHASE - 2
APPLY ONLINE
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in / www.kiit.ac.in
Last Date to Apply 4th June 2025
No Examination Fee (Computer-Based Test)
KIITEE 2025 Online Test (Phase -2) starts from
8th June to 12th June 2025

Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
ABET (US) Accreditation
THE 601-800 University Ranking 2024 World University Rankings
IET ACCREDITED PROGRAMME The Institute of Engineering and Technology

ACADEMIC PROGRAMMES AVAILABLE

UG (3 years/4 years)/Integrated (5 years) Programmes [All 4 years Programmes are with Honors/Research]

B.Tech Programmes
- Civil
- Construction Technology
- Electrical
- Electrical & Computer Science
- Mechanical
- Mechanical (Automobile)
- Aerospace
- Mechatronics
- Electronics & Telecommunication
- Electronics & Computer Science
- Electronics & Electrical
- Electronics (VLSI Design & Technology)
- Chemical
- Computer Science & Engineering (CSE)
- CSE (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)
- CSE (Data Science)
- CSE (Internet of Things & Cyber Security including Block Chain Technology)
- CSE (Internet of Things)
- Information Technology
- Computer Science & System
- Computer Science & Communication

UG Programmes in other Disciplines
- B.Design (Automobile/ Graphic/Product)
- B.Design (Fashion / Textile)
- B.Tech & M.Tech Biotechnology (5yrs)
- B.Tech (Lateral Entry)
- B.Arch
- BCA
- BBA
- B.Sc (Hospitality & Tourism)
- Bachelor of Film & Television Production
- Bachelor of Communication & Journalism
- Bachelor of Physical Education & Sports
- BA Economics
- BA Sociology
- BA English
- BA Psychology
- BA French
- BA Spanish
- BA Japanese
- BA German
- B.Com
- B.Sc (Economics & Data Analytics)
- B.Sc Computer Science
- B.Sc Nursing
- B.Pharma
- D.Pharma
- BA LLB/BBA LLB/B.Sc LLB (Hons) 5yrs

PG (1 year/2 years)/Integrated (5 years) Programmes
- M.Tech
- LLM (1yr)
- MCA
- M.Sc Biotechnology
- M.Sc Applied Microbiology
- M.Arch
- MBA
- MBA in Rural Management
- MBA in Agribusiness Management
- MBA-IEV (Innovation, Entrepreneurship and Venture Development)
- Master of Communication & Journalism
- Master in Urban & Regional Planning
- Master in Yoga & Naturopathy
- Master of Hospital Administration
- Master of Public Health
- MA in Fashion Management
- M. Design (Interior)
- M.Sc Computer Science
- MA Economics
- MA Sociology
- MA English
- MA Psychology
- Master in Public Policy
- M.Com
- M.Sc Physics
- M.Sc Chemistry
- M.Sc Mathematics & Data Science
- Master in Library & Information Sciences
- Master in Physical Education & Sports
- M.Sc Nursing
- Integrated M.Tech & Ph.D
- Ph.D

CAMPUS PLACEMENT 2024 HIGHLIGHTS
700+ Companies
5585+ Job Offers
₹53 LPA Highest Salary Offered
₹8.50 LPA Average CTC
1500+ Paid Internships
1000+ Students with multiple job offers

Director, Admissions : Admission Cell, Koel Campus, Po- KIIT, Bhubaneswar-751024, Odisha, India,
Ph: 8080 735 735, Fax : 0674 - 2741465, Email: admission@kiit.ac.in, Website: www.kiitee.ac.in

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha.
It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

सार समाचार

ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने सेना की तारीफ, जताई खुशी

गुना, देशबन्धु। पहलगाम में हुए कायराना हमले का बदला लेने के लिए भारत की पराक्रमी सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने चलाए ऑपरेशन सिंदूर का गुना में भी स्वागत हुआ है। शहर में ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने भारतीय तिरंगा लहराते हुए देश की सेना के पराक्रम और शौर्य की प्रशंसा की है।

ब्राह्मण समाज की बहनें बड़ी संख्या में हनुमान चौराहा स्थित पीएचई कार्यालय के समीप एकत्रित हुईं और भारत माता के जयकारे लगाए। महिलाओं ने इस बात को लेकर खासी प्रसन्नता देखी गई कि सुहागिनों का सुहाग उजाडने वाले पाकिस्तान को उन्हीं की भाषा में जवाब देते हुए भारत ने शौर्य गाथा व्यक्त करने के लिए देश की दो जाबांज महिला अफसरों को चुना है, इस निर्णय ने पूरी दुनिया में भारत की महिला शक्ति को गौरवान्वित किया है। समाज की महिलाओं ने कहा कि आज का दिन देश में किसी उत्सव से कम नहीं है जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर भारत ने आतंकियों को करार जवाब दिया है। महिलाओं ने देश की तीनों सेनाओं का आभार जताया और एक-दूसरे को भी शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर समाज की जिला अध्यक्ष सपना शर्मा, सचिव नीरज अवस्थी, कोषाध्यक्ष संध्या शर्मा, अर्चना पाठक, उपमा शर्मा, लक्ष्मी पाराशर, प्रीति शर्मा, राखी शर्मा, अर्चना शर्मा, श्वेता शर्मा, नीतू निर्भय, उर्मिला त्रिवेदी, मीना शर्मा, अर्चना शर्मा, सरिता शर्मा, ज्योति शर्मा, राजकुमारी शर्मा, मानसी आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

परिवहन विभाग ने 9 बसों पर की 23 हजार की चालानी कार्रवाई

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एआरटीओ एवं विभाग की टीम द्वारा गुना शहर में फतेहगढ़ तिराहे एवं अशोकनगर रोड पर चैकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग अभियान में 20 यात्री बस चैक की गई जिनमें से 07 यात्री बसों पर ओव्हरलोड एवं 01 यात्री बस बिना फिटनेस पाई गई जिनमें से कुल 09 यात्री बसों पर 23 हजार रूपये जुर्माने के रुप में वसूल किए गए। साथ ही एक दिव्यांगजन यात्री द्वारा वाहन क्रमांक एमपी 67 पी 1491 बालाजी बस सर्विस की शिकायत पर परिवहन विभाग की टीम द्वारा चालानी कार्यवाही करते हुए रुपये 3000 रुपए का चालान वसूला गया। कार्रवाई के दौरान परिवहन की टीम में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ज्ञानेन्द्र वैश्य, चैक पॉइन्ट प्रभारी संतोष सिंह तोमर, विवेक दुबे, आरक्षक ध्रुव कुमार मीना, ब्रजेन्द्र उपाध्याय, सोनू ओझा, नितिन शर्मा, चंदन अहिरवार शिवेन्द्र रघुवंशी, हेमन्त रघुवंशी आदि मौजूद रहे। आरटीओ श्री वैश्य द्वारा बताया गया कि जिले में अवैध वाहनों के खिलाफ चैकिंग की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

रुठियाई मंगलोदय तीर्थ पर स्थापित हुआ भव्य सागवान द्वार

गुना, देशबन्धु। जिले के रुठियाई स्थित मंगलोदय तीर्थ क्षेत्र में इन दिनों भक्ति और स्थापत्य कला का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। यहां तीर्थ के मुख्य प्रवेश द्वार पर सागौन की लकड़ी से बना एक भव्य द्वार स्थापित किया गया है, जिसकी ऊंचाई 16 फीट है। यह द्वार न सिर्फ तीर्थ क्षेत्र की गरिमा को बढ़ा रहा है, बल्कि इसकी कलाकारी भक्तों और आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इस विशेष द्वार को राजस्थान के भीलवाड़ा से बनवाया गया है। वहां की प्रसिद्ध हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के दक्ष कारीगरों ने इसे तैयार किया है। इस कारीगरी में भीलवाड़ा की पारंपरिक क्राफ्ट की झलक साफ दिखाई देती है। द्वार पर की गई बारीक नक्काशी, लकड़ी की उत्कृष्ट पॉलिश और उसमें उकेरे गए धार्मिक प्रतीक इस द्वार को अनूठा बनाते हैं।

राघौगढ में इंटेग्रेटेड हेल्थ कैम्प का आयोजन

गुना, देशबन्धु। राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल सिंह के मार्गदर्शन में आज इंटेग्रेटेड हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें राघौगढ़ में एचआईवी एड्स के प्रचार-प्रसार के लिये कैम्प में आये समस्त हितग्राहियों को पेम्पलेट के माध्यम से एचआईवी के बचाव की जानकारी दी एवं कैंप स्थल पर ही एचआईवी/ सिफलिश/ हेपेटाइटिस बी आदि की 65 व्यक्तियों की जांच की गई। कैम्प में आईसीटीसी स्टाफ, एसएसके स्टाफ, टीआई स्टाफ,सीएससी विहान सभी के पूर्ण सहयोग से इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप सफल हुआ।

खाद्य विभाग ने जब्त किए 8 घरेलू गैस सिलेंडर

गुना, देशबन्धु। घरेलू गैस सिलेंडरों की उपब्धता सुनिश्चित कराने, अवैध रिफिलिंग रोकने तथा व्यवसायिक उपयोग रोकने के लिये जिला आपूर्ति अधिकारी गुना अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में 07 मई को राजकुमार खटीक कैंट रिफिलिंग की दुकान पर 03 घरेलू गैस सिलेंडर, मनोज कुशवाह बांसखेडी से 05 घरेलू गैस सिलेंडर रिफिलिंग के लिए रखे पाए गए। इनके द्वारा रिफिलिंग के संबंध में कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किए। इस प्रकार कुल 08 घरेलू गैस सिलेंडर जप्ता किए गए। उक्त सिलेंडरों को जब्ती के बाद विवेक गैस एजेंसी को सुपुर्दगी में दिए गए हैं। इन दोनों व्यक्यों के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के तहत प्रकरण बनाया गया जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है। जांच दल में तुलेश्वर कुर्रे, सहायक आपूर्ति अधिकारी, आशीष चतुर्वेदी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा सम्मिलित थे। घरेलू गैस सिलेंडर के दुरूपयोग के विरूद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

रेडक्रॉस के कार्यक्रम में कलेक्टर ने दी नसीहत, बोले-हम फ्री में काम नहीं कर रहे है

स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर असंतुष्ट नजर आए कन्याल

गुना, देशबन्धु। विश्व रेडक्रॉस और थैलेसीमिया दिवस पर गुरुवार को जिला अस्पताल परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में एक कार्यक्रम रखा गया। जिसमें रेडक्रॉस के माध्यम से सामाजिक योगदान देने वाली संस्थाओं और निक्षय मित्रों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने प्रशासनिक मुखिया की हैसियत से स्वास्थ्य विभाग का उत्साहवर्धन किया, कमियां गिनाई और उन्हें सुधारने का तरीका भी बताया।

कलेक्टर ने कहा कि मेडीकल स्टाफ को अपने व्यवहार में सुधार लाना होगा। क्योंकि कई बार मरीज चिकित्सक के व्यवहार को देखकर ही अच्छा महसूस करता है। मेडीकल स्टाफ पर मरीजों का विश्वास ऐसा होना चाहिए कि वे अस्पताल आते ही अच्छा महसूस करें। जिला अस्पताल में सामने आ रहीं कमियों का जिक्र करते हुए कलेक्टर ने माना कि गलतियां सभी से होती हैं, लेकिन जानबूझकर गलती न की जाए। उन्होंने कहाकि जहां सुधार हो सकता है, वहां तुरंत करें क्योंकि लोग चाहते हैं कि सुधार दिखता रहे। कन्याल ने कड़े शब्दों में कहाकि गुना जिला अस्पताल में प्रयासों की कमी दिख रही है। लेकिन संयुक्त प्रयास करने से चीजें सुधरती हैं। उन्होंने कमियों को उजागर करने के लिए कुछ उदाहरण देते बताया कि अगर 108 एम्बुलेंस रिस्पॉन्स नहीं करती है तो उसका वेतन काटना चाहिए। इसके बाद भी नहीं सुधरता है तो ऊपर लिखना चाहिए। कन्याल ने अपने उद्बोधन में काफी सख्त और सुधारात्मक लहजे का इस्तेमाल किया। उन्होंने दो टूक कहा कि हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसका निर्वाहन करना ही पड़ेगा। क्योंकि आप लोग या मैं फ्री में काम नहीं कर रहे हैं। यदि ऐसा लगता है कि हम सिस्टम में काम नहीं कर सकते हैं तो बिल्कुल जा सकते हैं। जिसे सिस्टम में काम करना है उसे जिम्मेदारी निभानी ही पड़ेगी। उन्होंने मेडीकल स्टाफ को हाथ उठाकर संकल्प दिलाया कि आज के बाद सभी अपनी ड्यूटी सर्वोत्तम रूप से करेंगे। इस दौरान कुछ लोगों ने हाथ खड़े नहीं किए तो कलेक्टर ने भी उन्हें टोका और संकल्प दिलाया।

मुझे कहने की आवश्यकता न पड़े

कलेक्टर ने मेडीकल स्टाफ को एक उदाहरण देकर नसीहत दी कि वे ऐसा काम करें, ताकि सीधे कलेक्टर को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने बताया कि किसी मीडियाकर्मी को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही थी। तब मैंने सिविल सर्जन को फोन किया। इसके बाद सिविल सर्जन ने संबंधित डॉक्टर को फोन किया। यह नहीं होना चाहिए। जिसे जो काम मिला है वह उसे अच्छे तरीके से निर्वाहन करना पड़ेगा। कलेक्टर ने दो टूक कहा कि आज के समय भगवान को डॉक्टर का दर्ज दिया गया है। नर्सिंग स्टाफ उनका सहयोग है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या आज के भगवान अपना काम ठीक कर रहे हैं?

रेडक्रॉस ने लगाए 49 शिविर, 2 हजार युनिट रक्त एकत्रित किया

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में 320 निक्षय मित्रों को सम्मानित किया गया है। यह सभी टीबी मरीजों की देख-रेख और उपचार में सहयोग करते हैं। सिविल डॉक्टर वीरेंद्र ने रेडक्रॉस की ओर से सालभर किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस ने साल 2024-25 में 49 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। जिनमें 2 हजार यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है। रेडक्रॉस ने 7 लाख 63 हजार की लागत से ईको एम्बुलेंस खरीदी है, जिसे आपात स्थिति में इस्तेमाल किया जाता है। रेडक्रॉस के सहयोग से अस्पताल परिसर में जन औषधि केंद्र संचालित है, जहां इस महीने 1 लाख रुपए की दवाएं बेची जा चुकी हैं। रेडक्रॉस कलेक्टर के निर्देश पर अब तक 13 लाख 17 हजार की सहायता गरीबों के उपचार एवं सहायता के लिए दे चुका है। संस्थान ने शव वाहन संचालित करने के लिए करीब 40 हजार रुपए की सहायता दी है। इसके लिए समय-समय पर ब्लॉक स्तर पर 50 हजार रुपए की सहायता मरीजों के लिए रेडक्रॉस की ओर से दी जा चुकी है।

मुर्गा मार्केट से परेशान हैं आरोन के रहवासी, जताई नाराजगी

गुना, देशबन्धु। आरोन के बस स्टैंड क्षेत्र में संचालित मुर्गा मार्केट स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के जी का जंजाल बन गया है। प्रशासन द्वारा मुर्गा मार्केट को शिफ्ट करने के बावजूद कुछ दुकानदार यहां दुकान लगा रहे हैं, जिनकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है।

स्थानीय नागरिकों के मुताबिक काफी मशक्कत के बाद बस स्टैंड के पीछे संचालित मुर्गा मार्केट को शिफ्ट किया गया था। लेकिन कई दुकानदार अपने व्यवसाय को बढ़ाने के चक्कर में यहां से नहीं गए और इसी जगह पर कारोबार कर रहे हैं। व्यवसाय के दुकान इन दुकानदारों द्वारा मुर्गा के अवशेष सड़क पर फेंक दिए जाते हैं। मुर्गा के पंख उड़कर दुकानों में जा रहे हैं।

आसपास स्थित धार्मिक स्थल पर आने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। खास बात यह है कि नागरिकों ने नगर परिषद और 181 पर भी शिकायत कर दी है, लेकिन प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई नहीं की गई है। जिसकी वजह से प्रतिबंधित स्थल पर मुर्गा और मीट बेचने वालों के हौंसले बुलंद हैं।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला शाखा ने किया जनजागरण

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जारी अभियान का समापन

गुना, देशबन्धु। गुरुवार को सेवा भारती के संस्थापक विष्णु की स्मृति में जारी सेवा सप्ताह के अंतर्गत अंतिम दिन जिला गुना द्वारा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन शाखा गुना के सहयोग से थैलीसीमिया की जांच व थैलीसीमिया से बचाव के लिए जनजागरण अभियान रेडक्रॉस भवन गुना में सुबह 10 बजे से चलाया गया।

उपस्थित लोगों को थैलीसीमिया क्या है उसके लक्षण और उससे बचने का तरीका बताया गया। इसका व्याख्यान सेवा भारती के जिला अध्यक्ष डॉ रामवीर सिंह रघुवंशी ने दिया। इस अवसर पर सेवा भारती के जिला अध्यक्ष डॉ रामवीर सिंह रघुवंशी, जिला सचिव अखिलेश विजयवर्गीय, जिला सेवा प्रमुख ओमपाल, नागर अध्यक्ष सुनील पांडेय, प्रताप सिंह परिहार, मारवाड़ी महिला सम्मेलन शाखा गुना से ऊषा हरिविजयवर्गीय, अंतिमा बंसल, नीलम मंगल आदि उपस्थित रहे। साथ ही रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में भी आयोजित रेडक्रॉस भवन में गुना कलेक्टर किशोर कान्याल ने भी सभी को मार्गदर्शन दिया। इसके बाद कलेक्टर साहब ने सेवा भारती द्वारा हॉस्पिटल प्रांगण में विगत 33वर्षों से चलाए जा रहे अन्नपूर्णा भोजनालय का भी भ्रमण किया और भोजन की गुणवत्ता व सेवा कार्य की प्रशंसा की। इस मौके पर सेवा भारती अन्नपूर्णा भोजनालय में डॉ रामवीर सिंह रघुवंशी, अखिलेश विजयवर्गीय, सुनील पांडेय, सेवा भारती अन्नपूर्णा भोजनालय के अध्यक्ष काशीराम उरैया, भोजनालय प्रबंधक राजेश चौहान, भंवरलाल पंत, फणींद्र चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे।

जयवर्धन ने किया जीकेएस पर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

गुना, देशबन्धु। पूर्व मंत्री और राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने गोपीसागर बांध पर निर्मित 17 एमएलडी वॉटर ट्रीटमेंट का निरीक्षण किया और प्लांट के संचालन संबंधी जानकारी ली।

जयवर्धन ने बताया कि साल 2018 में जब कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनी थी तब 92.60 करोड़ की लागत से राघौगढ़ क्षेत्र की पेयजल समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से इस योजना की स्वीकृति मिली थी। जयवर्धन ने बताया कि नगरपालिका राघौगढ़ के अधिकांश वार्डों में इस प्लांट से पेयजल आपूर्ति शुरु हो चुकी है। जिन वार्डों में काम अधूरा रह गया है, वहां भी तेज गति से नल कनेक्शन जोडने की काम करवाया जाएगा। जयवर्धन ने अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष विजय कुमार साहू, पार्षद अशोक मीणा, सरपंच दावतपुरा नरेंद्र सिंह चौहान, बृजेश धाकड़, विधायक प्रतिनिधि जयभान धाकड़, पवन प्रजापति, शहर अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, नगरपालिका सीएमओ ऊँ त्र्यम्बकेश्वर मिश्रा, इंजी. बीके गुप्ता सहित नगरपालिका के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रेंड्ज और वी मार्ट मॉल पर नगपालिका ने लगाया जुर्माना

- डिप्टी कलेक्टर और प्रभारी सीएमओ ने की कार्रवाई

गुना, देशबन्धु। जिला प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के अभियान के तहत अस्वच्छता फैलाने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याचल के निर्देशन में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ मंजुषा खत्री के नेतृत्व में नगर के विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर स्पॉट फाइन लगाया गया। इस कार्रवाई के तहत सत्यदनारायण मंदिर गली स्थित दुकानदार कैलाश जैन को अमानक पॉलिथीन के उपयोग के कारण 5 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं, एबी रोड स्थित ट्रेंडस मॉल और वी मार्ट पर अस्वच्छता पाए जाने पर 1000-1000 रूपए का जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त, न्यू राज भोजनालय, न्यू शेरे पंजाब ढाबा, अंग्रेजी शराब दुकान (एबी रोड), और गोपाल भोजनालय को भी सफाई में लापरवाही बरतने पर 200-200 रूपए का जुर्माना भरना पड़ा। प्रभारी सीएमओ सुश्री खत्री ने शहरवासियों से अपील की है कि वे स्वच्छता के प्रति सजग रहें और अपने आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। भविष्य में भी अस्वच्छता फैलाने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बजरंगगढ़ पुलिस ने दस्तयाब की लापता नाबालिग

गुना, देशबन्धु। बजरंगगढ़ थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका के अपहरण के प्रकरण में निरंतर कार्यवही कर अपहृता को खोज लिया है। गौरतलब है कि 2 मई की रात में जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र से 12 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची के घर पर किसी को बिना कुछ बताये कहीं चले जाने पर दिनांक 03 मई 2025 को बालिका की मां की ओर उसके गुम होने संबंधी रिपोर्ट बजरंगगढ़ थाने पर की गई थी । जिस पर से बजरंगगढ़ थाने में अपराध तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। बजरंगगढ थाना पुलिस द्वारा प्रकरण में अपहृत बालिका की सरगर्मी से तलाश की गई और इसके लिए अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय कर कड़ी-कड़ी से मिलाकर अपहृता को सभी संभावित जगहों पर खोजने के सघन प्रयास किए गए। जिसके परिणाम स्वरूप बीते रोज अपहृता के संबंध में मुखबिर से सूचना मिलने पर बजरंगगढ थाना पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक कार्यवाही की गई और प्रकरण में अपहृत नाबालिग बच्ची को दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिला दिया है। बजरंगगढ़ थाना पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रूहिल शर्मा, प्रधान आरक्षक राजेश शुक्ला, प्रधान आरक्षक दिलीप कलावत, महिला आरक्षक अंजू तोमर एवं महिला आरक्षक पूजा गुप्ता की विशेष भूमिका रही है।

गोपीकृष्ण सागर बांध पर लगा था जुआ का फड़

पुलिस ने अचानक दी दबिश, 7 जुआरी गिरफ्तार, 5580 रूपए जब्त

गुना, देशबन्धु। एसपी अंकित सोनी के दिशा निर्देशन में गुना पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न अवैध अथवा अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त माफियाओं, कारोबारियों, तस्करों आदि पर निरंतर कार्यवाहियां की जा रहीं है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में जिले के धरनावदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रभात कटारे और उनकी टीम द्वारा थानांतर्गत गोपीकृष्ण सागर डेम के पास जुए की सूचना पर दविश देकर जुआ खेल रहे सात जुआरियों पर कार्यवाही की गई है।

पुलिस के मुताबिक 8 मई को जिले के धरनावदा थानांतर्गत गोपीकृष्ण सागर डेम के पास कुछ लोगों के फड़ जमाकर तास पत्तों से रूपयों की हारजीत के दाव लगाकर जुआ खेले जाने की सूचना पर धरनावदा थाने से पुलिस की एक टीम जुआरियों की धरपकड़ के लिए तत्काल डेम पर पहुंची और जहां मुखबिर की बताई जगह पर दविश देकर जुआ खेल रहे 07 जुआरियों को दबोच लिया गया। जिन्होंने पूछताछ पर अपने नाम हिमांशु प्रजापति उम्र 25 साल, दीपक कुशवाह उम्र, सुनील रजक उम्र, साजिद वेग, फिरोज खांन, अमित पाल निवासी गणेशपुरा गुना एवं नितिन जाटव निवासी भुल्लनपुरा गुना के होना बताए। पुलिस द्वारा मौके से 5 हजार 580 रुपए नकदी सहित तास की गड्डी विधिवत जप्त कर जुआ खेलते पकड़े गए सभी 07 जुआरियों के विरूद्ध धरनावदा थाने में जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई। जुए के विरूद्ध धरनावदा थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रभात कटारे, सउनि रामगोपाल सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक देवेन्द्रपाल सिंह सिकरवार, आरक्षक सत्येन्द्र सिंह गुर्जर, आरक्षक सचिन तोमर एवं आरक्षक सुंदर रामन की विशेष भूमिका रही है।

आशा, ऊषा और पर्यवेक्षक ने भोपाल में किया प्रदर्शन

गुना, देशबन्धु। संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में गुना सहित मध्यप्रदेश के सभी जिलों से आशा ऊषा एवं पर्यवेक्षक बहनों ने वेतनवृद्धि की मांग को लेकर भोपाल में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस कार्रवाई का भी सामना करना पड़ा, इसके बावजूद उन्होंने अपनी मांग को मिशन संचालक के सामने पुरजोर तरीके से रखा है।

इस प्रदर्शन के दौरदान आशा-ऊषा, पर्यवेक्षक बहनों ने मुख्यमंत्री द्वारा एक हजार रुपए वेतनवृद्धि के वायदे को याद दिलाया गया और जमकर नारेबाजी की। हालांकि मिशन संचालक ने उन्हें 238 रुपए बढ़ोत्तरी का आदेश देने की कोशिश की, जिसे कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों ने यह कहकर लेने से मना कर दिया कि यह वेतनवृद्धि पर्याप्त नहीं है। 238 रुपए में मोबाइल रिचार्ज तक नहीं होता है। ऐसी स्थिति में इतनी कम राशि से कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों की आर्थिक स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों ने प्रदेश सरकार से दो टूक कह दिया है कि जब तक मुख्यमंत्री के वायदे अनुसार उन्हें एक हजार रुपए की वेतनवृद्धि नहीं दी जाती है तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

अतिक्रमण करने का था आरोप, गौसेवकों ने किया कार्रवाई का विरोध

नजूल कॉलोनी में गौशाला हटाने पहुंचा प्रशासन, खाली हाथ लौटा

गुना, देशबन्धु। शहर की नजूल कॉलोनी में गौशाला और उपचार केंद्र संचालित करने के नाम पर सरकारी जमीन कब्जाने की शिकायत पर जिला प्रशासन की टीम गुरुवार को अचानक मौके पर पहुंच गई। इस दौरान गौशाला संचालित करने वाले लोगों ने विरोध जताया और संगठित होकर कलेक्टर को आवेदन देकर कार्रवाई को गलत ठहराया। इसके बाद प्रशासन की टीम अपनी जेसीबी लेकर वापस लौट आई है। बताया जा रहा है कि अब इस मामले की जांच की जाएगी, इसके बाद जिला प्रशासन अगला कदम उठाएगा।जानकारी सामने आई है कि नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 18 स्थित नजूल कॉलोनी में लगभग एक बीघा जमीन पर संचालित श्री बालाजी गौ स्वास्थ्य केंद्र को हटाने के लिए एक दर्जन से ज्यादा स्थानीय रहवासियों ने 6 मई को कलेक्ट्रेट में शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया है किस जिस जमीन को गौसेवा के नाम पर कब्जा किया गया है वह दरअसल बच्चों के खेलने के लिए कॉलोनी में उपलब्ध एकमात्र खाली भूखंड है, जिसे खाली कराया जाना चाहिए। इसके बाद गुरुवार को एसडीएम शिवानी पांडे, तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी इस क्षेत्र में पहुंचे और गौशाला संचालित करने वालों से दस्तावेज मांगे हैं। इसी बीच गौशाला और स्वास्थ्य केंद्र संचालित करने वाले लगभग एक सैकड़ा युवकों ने कलेक्ट्रेट का रुख किया और प्रशासनिक कार्रवाई को गलत बताया। उनका दावा था कि शहर में कहीं भी गायों के उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। इसलिए उन्होंने नजूल कॉलोनी खाली पड़ी जमीन पर गौशाला और स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया है, जिसमें फिलहाल 30 से 40 गायें मौजूद हैं।

इस जगह का इस्तेमाल सिर्फ गौसेवा के लिए किए जा रहे हैं। शिकायत असामाजिक तत्वों की ओर से की गई है। कुल मिलाकर गुरुवार को प्रशासन ने किसी तरह की कार्रवाई नहीं की है और मामले की गंभीरता को देखते हुए दस्तावेजों का अध्ययन किया जा रहा है। बता दें कि नजूल कॉलोनी में संचालित गौशाला का मुद्दा पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है। कुछ लोग इसे वाकई गौशाला के लिए संरक्षित किया गया स्थान बना रहे हैं तो एक तबका बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने की रणनीति करार दे रहा है।

असुरक्षित भोपाल

हमीदिया अस्पताल से फरार हुआ सजायाफ्ता कैदी

आखों के इलाज के लिए लाया गया था

हथकड़ी से हाथ निकाल भागा

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल केन्द्रीय जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा दुष्कर्म का सजायाफ्ता कैदी गुरुवार सुबह हमीदिया अस्पताल से फरार हो गया। बताया गया है कि कैदी को अस्पताल में आंखों की जांच के लिए लाया गया था, जहां वह हवालदार की निगरानी में मौजूद था। इसी दौरान उसने मौका देखकर हथकड़ी से हाथ निकाला और भाग खड़ा हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमर उर्फ गुड्डू को वर्ष 2017 में नाबालिग से बलात्कार के मामले में दोषी करार दिया गया था और अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वह पिछले कई वर्षों से भोपाल केन्द्रीय जेल में बंद था। बताया जा रहा है कि उसकी आंखों में सफेदी की समस्या थी, जिसके चलते उसे आंखों की जांच के लिए गुरुवार को हमीदिया अस्पताल लाया गया था। यहां सुबह करीब 11 बजे मौका देखकर उसने हथकड़ी से हाथ निकाला और भाग खड़ा हुआ। कैदी के फरार होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एएसपी राकेश भांगरे के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही शहरभर में तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने अमर उर्फ गुड्डू की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दी है। आरोपी का पुराना पता हबीबगंज थाना क्षेत्र के मानसरोवर झुग्गी में बताया गया है, जहां पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। इसके अलावा शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने जल्द ही उसे पकड़ने का दावा किया है।

आदतन अपराधी को बदमाशों ने मारी गोली

1दिन पहले ही जेल से छूटा था

सीसीटीवी में हथियार लहराते दिखे आरोपी

भोपाल,देशबन्धु। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बाग फरहत अफजा इलाके में गुरुवार दोपहर एक आदतन अपराधी युवक को बदमाशों ने घर के बाहर ही गोली मार दी। गोली युवक के पैर में लगी है, जिसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी विजय बहादुर ने बताया कि आदतन अपराधी अरमान खान हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। उस पर हत्या के प्रयास (धारा 307) का मामला दर्ज था और तीन दिन पहले ही जेल से छूटा था। गुरुवार को वह अपनी मौसी के घर बाग फरहत अफज़ा गया था, जहां शाम करीब साढ़े 3 बजे घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान उस हमला हुआ। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई है। इसमें साफ दिखाई दे रहा है कि फैसल नाम का युवक पिस्टल लेकर आता है और सीधे अरमान पर गोली चला देता है। उसके साथ तीन अन्य युवक भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके हाथों में धारदार हथियार हैं। बदमाशों ने बेहद सुनियोजित तरीके से हमला किया। फिलहाल, अरमान की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसका इलाज हमीदिया अस्पताल में जारी है। पुलिस ने घटना के बाद आरोपियों की धरपकड़ के लिए इलाके में तलाशी अभियान चलाया। लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। हालांकि पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान हो चुकी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पहले से चल रहा था विवाद

पुलिस के अनुसार के अनुसार, अरमान और फैसल के बीच सात महीने पहले विवाद हुआ था। उसी विवाद में अरमान आरोपी बनकर जेल गया था। अब जेल से छूटने के कुछ दिन बाद ही फैसल और उसके साथियों ने उस पर हमला कर दिया।

भोपाल में छाए बादल, कई शहरों में तापमान गिरा

चार दिन ऐसा ही बना रहेगा मौसम

भोपाल,देशबन्धु। *मध्यप्रदेश में गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा। इस दौरान धार में करीब 1 इंच पानी गिर गया। वहीं, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, शिवपुरी, मंडला और सिवनी में भी हल्की बारिश हुई। बारिश के चलते कई शहरों में दिन का तापमान लुढ़क गया। मौसम विभाग ने चार दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है।*

मौसम विज्ञान केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल में गुरुवार को दिनभर बादल रहे और शाम को धूप खिली। यहां दिन का तापमान 31.7 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह इंदौर में 30.8 डिग्री, ग्वालियर में 35.4 डिग्री, उज्जैन में 30.4 डिग्री और जबलपुर में 35.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इकलौता पर्यटन स्थल पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं धार में 31.5 डिग्री, शाजापुर में 31.7 डिग्री, खंडवा में 32.1 डिग्री, रतलाम में 32.2 डिग्री, बैतूल में 32.4 डिग्री और नर्मदापुरम में पारा 32.5 डिग्री रहा। गुरुवार को एक भी शहर में तापमान 40 डिग्री या इससे पार नहीं पहुंचा। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 39.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका और चक्रवात की वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। ऐसा ही मौसम 11 मई तक बना रहने के आसार है।

बीयू से मरीज लेकर एयर एम्बुलेंस ने भरी उड़ान

3 मिनट में एम्स पहुंची

अभ्यास ने बढ़ाई इलाज की गति

भोपाल,देशबन्धु। चिकित्सा आपातकाल के समय हर सेकेंड कीमती होता है और अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो जिंदगी बचाई जा सकती है। इसी सोच के साथ भोपाल में पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा को और अधिक कुशल और त्वरित बनाने के लिए विशेष अभ्यास का आयोजन किया गया।

इस अभ्यास में कृतिम मरीज को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) परिसर में बने हेलीपैड से एम्स भोपाल के एयर लिफ्ट किया गया और यहां से एम्स पहुंचाया गया। इस पूरी प्रक्रिया में महज तीन मिनट का समय लगा। इससे पहले एयर एम्बुलेंस भोपाल के राजाभोज विमानतल से उड़कर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय पहुंची और वहां सुरक्षित उतरी। इस पूरे अभ्यास का उद्देश्य यह था कि आपात स्थिति में एम्स जैसे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल से निकटवर्ती हेलीपैड से मरीज को तत्काल उड़ान के लिए कैसे तैयार किया जाए और समय की बर्बादी के बिना उसे उन्नत उपचार केंद्र तक कैसे पहुंचाया जाए।

सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य यह था कि वास्तविक परिस्थितियों में समय कैसे बचाया जा सकता है। मरीज को सुरक्षित, तेज और व्यवस्थित ढंग से इलाज के लिए कैसे भेजा जा सकता है। भविष्य में इसी तरह की और मॉक ड्रिल की योजना है, जिससे पूरे सिस्टम को और मजबूत बनाया जा सके।

ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की अपील

भारत की जीत के लिए जुमे की नमाज के बाद विशेष दुआ करें

भोपाल,देशबन्धु। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल में आज (शुक्रवार को) होने वाले जुमा की नमाज को लेकर भोपाल से ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने गुरुवार को एक विशेष अपील जारी की है। जारी पत्र में बोर्ड ने देश की सभी मस्जिदों की प्रबंध समितियों और इमामों से अपील की है कि 9 मई 2025 को जुमे की नमाज के बाद भारत की जीत और पाकिस्तान की हार के लिए सामूहिक दुआ की जाए। बोर्ड के अध्यक्ष क़ाज़ी सैय्यद अनस अली द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में लिखा गया है कि पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित कायराना हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरू हो चुका है। अब यह समय है कि हम मस्जिदों से भारत की कामयाबी और दुश्मन की शिकस्त के लिए दुआ करें। पत्र में यह भी अपील की गई है कि मस्जिदों में नमाज के बाद भारत की खुशहाली, अमन और स्थायित्व के लिए भी विशेष दुआ मांगी जाए। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या के जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इसमें जैश और लश्कर के 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की सूचना है।

7 साल के भव्य ने जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल के 7 साल के भव्य कुमार सक्सेना ने पिछले दिनों उत्तराखंड में आयोजित ऑल इंडिया जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। यह वही बालक है जिसका कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम ने विगत 17 जनवरी को भव्य समारोह में खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया था। सम्मान के पहले भी वह अनेक मेडल जीत चुका था । भोपाल निवासी अमित एवं पूर्वी सक्सेना के पुत्र भव्य कुमार ने इसके पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर तेलांगना जिम्नास्टिक एसोसियेशन द्वारा वर्ष 2024 में आयोजित जिम क्यूइन प्रतियोगिता में जिम्नास्टिक लेवल - 1 के फ्लोर एक्सरसाइज में गोल्ड , पोमेल होर्श में सिल्वर, स्टील रिंग्स में ब्रांज,टेबल वोल्ट में सिल्वर, पैरालेल बार्स में सिल्वर एवं होरिजेंटल बार्स में गोल्ड मेडल जीते हैं ।

समर स्किल्स कार्निवाल में प्रतिभा दिखा रहे विद्यार्थी

भोपाल,देशबन्धु। युवाओं में रचनात्मकता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की पहल के तहत स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय द्वारा समर स्किल्स कार्निवाल का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्निवल 10 जून तक चलेगा। इस कार्निवाल में विभिन्न विद्याओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा प्रतिभागिता करते हुए अपने रचनात्मक कौशल को विभिन्न विधाओं में पेश किया जा रहा है।

समर स्किल्स कार्निवाल में फाइन आर्ट्स में क्ले मॉडलिंग, पेंटिंग एवं प्रिंट मेकिंग, आर्ट एवं क्राफ्ट; डिजाइनिंग में डिजाइन योर स्पेस, कटिंग एवं स्टिचिंग; स्पोर्ट्स में फुटबॉल, क्रिकेट, कराते; ब्यूटी एवं वेलनेस के अंतर्गत प्रोफेशनल साड़ी ड्रेपिंग, मेहंदी, सेल्फ ग्रूमिंग; परफॉर्मिंग आर्ट्स में एक्टिंग स्किल्स, कथक, तबला, ढोलक, हारमोनियम, सिंथेसाइजर, सिंगिंग एवं डांस; और स्पॉटलाइट के अंतर्गत स्टेज एंकरिंग एवं क्रिएटिव राइटिंग का प्रशिक्षण रचनात्मक अंदाज में प्रदान किया जा रहा है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने एसजीएसयू की इस अनूठी पहल की प्रशंसा की है और कहा कि यह युवाओं एवं बच्चों के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं के कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि कौशल विकास की हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत यह रचनात्मक पहल की गई है जो युवाओं के कौशल विकास के प्रति सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विश्व विद्यालय के के रजिस्ट्रर डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि कौशल विश्वविद्यालय के रूप में हम लगातार प्रयास कर रहे हैं युवा कौशल के महत्व को समझें। इसी कड़ी में यह समर स्किल्स कार्निवाल की पहल की गई है।

चलती ट्रेन में चढ़ रही महिला फिसली, जवान ने बचाई जान

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर खड़ी हमसफर ट्रेन रवाना हो रही थी। तभी एक 35 साल की महिला उस ट्रेन के एसी कोच में चढ़ने की कोशिश कर रही थी। ट्रेन धीरे-धीरे चल रही थी, लेकिन हाथ में सूटकेस होने की वजह से महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म पर फिसलने लगी। महिला के फिसलते ही वहां मौजूद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ)के उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह और आरक्षक अनिल शर्मा तुरंत दौड़े और उसे पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। घटना के दौरान ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाई और ट्रेन को रोक दिया। इससे महिला सुरक्षित बच गई, बाद में उसे कोच में चढ़ाया गया। रेल प्रशासन ने दोनों जवानों और ट्रेन मैनेजर की सतर्कता की तारीफ की है। भोपाल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि हमारे लिए यात्रियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि चलती हुई ट्रेन में कभी भी चढ़ने या उतरने की कोशिश न करें, क्योंकि यह जान के लिए खतरा हो सकता है।

एनजीओ में अनुदान दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले 3 गिरफ्तार

सरगना ने देश भर के बड़े शहरों में एजेंट बैठाए थे

भोपाल,देशबन्धु। स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) में अनुदान दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक गिरोह का भोपाल पुलिस ने भांडाफोड़ करते हुए तीन अरोपियों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि गिरोह के सरगना ने देशभर के प्रमुख शहरों में एजेंट बैठा रखे थे, जो एनजीओ संचालकों को करोड़ों का अनुदान दिलवाने का लालच देते और उनसे सुरक्षा निधि के तौर पर लाखों रुपये हड़प लेते। ये रुपये एक कंपनी के बैंक खाते में जाते थे, जो वास्तव में फर्जी थी। इसी तरह ठगों ने भोपाल के एक एनजीओ संचालक से धोखाधड़ी की थी।

एसआई सुनील रघुवंशी ने बताया कि मूलत: उत्तरप्रदेश के रानीगंज का रहने वाला संदीप पांडे मुंबई में निजी नौकरी करता है। उसने पुणे, बेंगलुरु, इंदौर और नागपुर समेत कई बड़े शहरों में ऐसे एजेंट तैयार किए थे, जो कि एनजीओ संचालकों को अनुदान दिलवाने का लालच दे और उनका संपर्क संदीप से करवाए। संदीप एनजीओ संचालकों को बताता कि उसकी कंपनी में ब्लैकमनी है, वह करोड़ों की मोटी राशि उनके एनजीओ में जमा करेगा। फिर एनजीओ वापस उस कंपनी को आधी राशि व्हाइट मनी के तौर पर लौटा देगा। इस तरह लालच देकर उसने पिछले दिनों भोपाल में ग्रंथ एजुकेशन सोसायटी के संचालक से 18 लाख की ठगी कर चुका है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने खुद को एनजीओ से जुड़ा बताते हुए उनसे संपर्क किया और 20 करोड़ रुपए का अनुदान दिलाने का लालच दिया। भोपाल और इंदौर में मुलाकात कर इन ठगों ने विश्वास जमाया और किस्तों में 18 लाख रुपए की ठगी की। पैसे लेने के बाद आरोपी मोबाइल बंद कर फरार हो गए। साइबर क्राइम की टीम ने अपराध दर्ज करने के बाद बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच की। जांच के आधार पर मुंबई के घाटकोपर और साकीनाका इलाकों में दबिश देकर मुख्य सरगना संदीप पांडे व मनीष पाल को गिरफ्तार किया। साथ ही ठाणे से अनिल कुमार मौर्य को पकड़ा। इससे पहले भोपाल साइबर क्राइम पुलिस इंदौर व नर्मदापुरम से राकेश यादव, अजय यादव और दिलीप सुजाने को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इस प्रकार अब तक कुल छह ठग पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। एसआइ सूर्यवंशी ने बताया कि आरोपित के पास मिले फर्जी कंपनी के बैंक खाते में इस प्रकार के कई डीडी मिले हैं, जिससे करोड़ों की ठगी का अनुमान है। आरोपियों के संपर्क कई एजेंटों से है, जो दूसरे शहरों में बैठकर उसके लिए काम करते हैं। फिलहाल आरोपियों के पुराने रिकार्ड को खंगाला जा रहा है।

भाजपा ने 30 में से एक भी मंडल में अजा से नहीं बनाया अध्यक्ष

आमला, देशबन्धु। भाजपा ने जिले में 24 मंडल अध्यक्षों की घोषणा करदी है, जिसमें भाजपा ने आदिवासी वर्ग से लेकर महिलाओं को भी मंडल अध्यक्ष की कमान सौंपी है, लेकिन अनुसूचित जाति (एससी वर्ग) से किसी को भी मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया।

भारतीय जनता पार्टी ने कुछ दिनों पहले पूरे देश में बाबा साहब डॉ भीम राव आंबेडकर के सम्मान अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसके अंतर्गत भाजपा जिला मुख्यालय में भी कार्यक्रम हुआ, जिसमें पूरे जिले से अनुसूचित जाति के लोगों को जिला कार्यालय ले जाया गया और जिले समेत प्रदेश से आए भाजपा के नेताओं ने अपने उद्बोधन से अनुसूचित जाति वर्ग को साधने की पुरजोर कोशिश की। ये महसूस करने का प्रयास किया कि भाजपा संविधान और डॉ भीम राव आंबेडकर में अपनी पूरी आस्था रखती है। लेकिन बैतूल जिले में किसी भी मंडल में भाजपा ने एससी से वर्ग से एक भी मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया।

भाजपा में अनुसूचित जाति के कार्यकर्ताओं द्वारा ये मांग की जा रही है कि एक मंडल में तो एससी वर्ग से मंडल बनाया जाए। वही भाजपा के ही कुछ नेता एससी वर्ग से अध्यक्ष बनाने का विरोध करते है। इस वजह से कांग्रेस भाजपा पे अनुसूचित जाति की उपेक्षा का आरोप लगा रही है। बैतूल में अभी 6 मंडलों में अध्यक्षों की घोषणा होना बाकी है, जिसमें सारणी नगर, दुनावा मंडल, प्रभात पट्टन मंडल ,भौंरा, चिचोली और भैंसदही नगर मंडल अध्यक्ष की घोषणा होना बाकी है। बताया जा रहा है कि इन मंडलों में दावेदारों की लंबी लिस्ट होने के कारण ओर गुटबाजी की वजह से एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। इस खाली पद को देखते हुए एससी वर्ग के भाजपा नेता अपने लिए उम्मीद भरी निगाहों से विधायक एवं जिला संगठन की तरफ देख रहे है।

आरक्षित विधानसभा में एससी वर्ग को मौका देने उठ रही मांग - बैतूल जिला में ऐसी वर्क के लिए आरक्षित अमला विधानसभा क्षेत्र में भी किसी भी एससी वर्ग के व्यक्ति को भी मंडल अध्यक्ष जैसी जिम्मेदारी नहीं दी गई जबकि अमला ग्रामीण या आमला नगर में ये जिम्मेदारी दी जा सकती थी लेकिन आमला विधानसभा में 5 में से 4 मंडलों की घोषणा हो चुकी है फिलहाल सारणी नगर मंडल में अभी मंडल अध्यक्ष की घोषणा होना बाकी है इस वजह से सारणी भाजपा के एससी नेता के लिए आखिरी विकल्प अभी बचा हुआ है कि इस वर्ग से किसी को जिम्मेदारी दी जा सकती है।

भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक -963/ राजस्व/भोविप्रा/25 भोपाल दिनांक 08.05.2025

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की रक्षा बिहार योजना स्थित भूखण्ड क्रं. 14-ए सेक्टर-सी आवंटी श्री आर.एस. अहलुवालिया आत्मज श्री ए.एस. अहलुवालिया एवं श्रीमती शैला अहलुवालिया पत्नी श्री आर.एस. अहलुवालिया के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटियों में से श्री आर.एस. अहलुवालिया का स्वर्गवास दिनांक 16.02.2024 को हो जाने के कारण उनके वारिसों में उनकी पत्नी श्रीमती शैला अहलुवालिया पुत्रगण, श्री इन्द्रनील अहलुवालिया एवं श्री प्रलय शंकर अहलुवालिया ने स्व. श्री आर.एस. अहलुवालिया के हिस्से की सम्पत्ति का नामांतरण अपने संयुक्त नामों पर करने का निवेदन किया है। यदि उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य / दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

कोयला खदान में फिर हुआ हादसा, इंजीनियर के हाथ कटे

हादसे ने खोली सुरक्षा इंतजाम की पोल

सारनी, देशबन्धु। वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड पाथाखेड़ा क्षेत्र में हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। इससे जहां कोल प्रबंधन के सुरक्षा इंतजाम की पोल खुल रही है। वहीं कामगार, कर्मचारियों में भय का माहौल बन रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह तवा-टू खदान से कंटीन्युअस माइनर निकालते समय फीडर ब्रेकर मशीन की चपेट में आने से अरविंदों कंपनी में मौकनीकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत राजेन्द्र रेड्डी के दोनों हाथ कट गए। एक हाथ का पंजा तो दूसरा हाथ कट गया। यह दृश्य जिस किसी ने भी

देखा वह दहल गया। इस घटना से वेकोलि पाथाखेड़ा क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में घायल को वेकोलि पाथाखेड़ा चिकित्सालय लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर के चांढक अस्पताल रेफर किया है। इससे पहले इसी मशीन की चपेट में आने से एक मजदूर का पैर खराब हो गया था। वहीं 6 मार्च 2025 को जेएमएस कंपनी की कंटीन्युअस माइनर वाले विभाग में रूफ फाल होने से दो माइनिंग सुपर वाइजर और एक अंडर मैनेजर की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना पर केंद्रीय राज्य मंत्री से लेकर सीएम तक सभी ने दुख जताया था। साथ ही सुरक्षा इंतजाम को लेकर कोल इंडिया में पाथाखेड़ा क्षेत्र को आलाअफसरों ने नसीहत दी थी। बावजूद इसके घटना की पुनरावृत्ति होने से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि इस घटना को लेकर वेकोलि के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है की राजेंद्र जिस मशीन के चपेट में आया उस मशीन को वह स्वयं ऑपरेट कर रहा था और इस मशीन को ऑपरेट करने के लिए ट्रेनिं ऑपरेटर ही रखा जाता है। जोक कंपनी की जवाबदारी होती है। तो यह वेकोलिकी सुरक्षा व्यवस्था में कमी कैसे मान लिया जाए।

कार्यालय नगर परिषद सांची
जिला रायसेन म.प्र.
Office of Municipal Council Sanchi
District Raisen. MP 464661

NH-146 Bhopal-Vidisha Road, Sanchi
District Raisen MP 464661
Tel. 07482-266738
Email- cmosanchi@mpurban.gov.in

SNo/NP/2025 SAMCHI DATE;-05.05.2027

Online E-Tender

Hereby, e-tender has been issued on mpetender.gov.in for purchasing sanitation material in Nagar Parishad Sanchi-

Work Detials	NIT	Tender ID	Bid start Date	Estimated Bid Value (Rs.)	EMD Amount (Rs.)	Tender Fee Amount (Rs.)	Bid Last Date
Purchasing Sanitation material	601	2025_UAD_421168_1	05.05.2025	1000000/-	10000/-	2000/-	26.05.2025

Tender form purchase can be downloaded and all the terms and conditions related to the tender can be obtained from https://mptenders.gov.in and Nagar Parishad Sanchi. After this, if there is any amendment, information will be available on the website or from the office. The amendment will not be published in the newspaper.

Chief Municipal Officer
Municipal Council Sanchi

देशबन्धु

भोपाल, शुक्रवार 9 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरु की गई, जिसमें कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है, साथ ही लांस नायक दिनेश कुमार शहीद भी हुए हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने इसके अलावा भारत के अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पाकिस्तान के इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी ड्रोनों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि पाकिस्तान ने हमला किया था।

जाहिर है हमारी सेना और मजबूत रक्षा तंत्र ने इस तरह देश की रखवाली की कि व्यापक तौर पर नागरिकों को पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों का पता ही नहीं चला। इस साहसिक कृत्य के लिए सेना की जितनी सराहना की जाए, कम है। इस समय सारा देश यही कर भी रहा है। गुरुवार को जब सरकार ने सभी दलों की बैठक फिर से बुलाई, तब भी तमाम दलों ने एकजुटता का भरोसा सरकार को दिलाया।

युद्ध के मुहाने पर खड़े इस कठिन दौर से गुजरते हुए भारत का हर विपक्षी दल और नागरिक अपने परस्पर विरोधों को भुलाकर सरकार और सेना के साथ खड़ा है लेकिन यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो देश का नेतृत्व करते हैं, इस विषय पर गुरुवार को दिल्ली में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पुन: अनुपस्थित रहे। 'पुन:' शब्द का इस्तेमाल इसलिये किया जा रहा है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई ऐसी ही बैठक में मोदी नहीं आये थे। हालांकि उन्होंने आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर से भी पकड़ लाने का वादा देश से किया था। सेना ने संयुक्त ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी कैंपों को उड़ा दिया। लेकिन इस दौरान सरकार को कम से कम सीमावर्ती इलाकों से नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का इंतजाम कर लेना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो शायद पुंछ में जो नुकसान हुआ, वह न होता। पुंछ इलाके में मारे गये नागरिक ज्यादातर किसान हैं। एक तरह से देखें तो ये सर्जिकल स्ट्राइक हो या सीमा के आर-पार की बम वर्षा के कारण लगभग युद्ध की स्थिति है।

ऐसे में सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का न आना यह बतलाता है कि वे लोगों से मिल रहे जनसमर्थन के कारण विपक्ष ही नहीं, नागरिकों व यहां तक कि संसद को भी काफी हल्के में ले रहे हैं। याद हो कि 22 अप्रैल को हुए बैसरन कांड के वक्त मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे जिसे छोड़कर वे भारत लौटे थे। इससे यह महसूस किया गया था कि वे स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए लौटे हैं। इसके विपरीत उन्होंने न तो राष्ट्र के नाम संदेश दिया और न ही कोई ऐसा बड़ा कदम उठाया जिससे महसूस हो कि वे किसी बड़े फैसले को लेने या उसे क्रियान्वित करने के लिये उद्धत हैं। वे बिहार चले गये जहां उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक रैली की। यहां इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंच पर उनकी और नीतीश बाबू के बीच होती हंसी-ठिठौली की तस्वीरें व वीडियो लोगों को चकित करते रहे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया और न ही सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया जिसकी सम्पूर्ण विपक्ष मांग कर रहा था। जनता को भी इसकी अपेक्षा थी।

मोदी वही कहानी दोहराते नज़र आ रहे हैं- न तो सर्वदलीय बैठक में जाना, न राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित करना और न ही संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की पेशकश को सुनना। गुरुवार की बैठक में शामिल लगभग सभी दलों ने एक बार फिर से इस बात की घोषणा की कि वे पूरी तरह से सरकार के साथ हैं और वह जो भी कदम उठाये, वे उसका समर्थन करते हैं। सेना से जुड़ी गोपनीय बातों का जिक्र नहीं करना है, इसलिए बैठक से बाहर आकर किसी नेता ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया, जिससे असुविधा हो। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नहीं आए, हालांकि हम अभी इस बात के लिए उनकी आलोचना नहीं करेंगे, क्योंकि यह वक्त आलोचना का नहीं है। वहीं राहुल गांधी ने जरूर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई, ताकि दुनिया के सामने अच्छा संदेश जाए। पहले भी विपक्ष इस आशय की मांग कर चुका है। बैसरन घाटी की घटना के बाद जब राहुल पहलगाम गये थे, उन्होंने साफ किया था कि वे किसी तरह की खामी या चूक की बात इस समय नहीं करेंगे। वे बाद में कई प्रभावित परिवारों से भी मिले थे, तब भी उन्होंने किसी भी प्रकार से सरकार की आलोचना नहीं की थी। ऐसे में जब विपक्ष बेहद जिम्मेदारी व संजीदगी के साथ सरकार को साथ दे रहा है, तब मोदी द्वारा सर्वदलीय बैठक में, वह भी दूसरी बार न आना दुखद ही कहा जायेगा। बेशक, बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्थिति की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू भी इसमें मौजूद थे।

अलबत्ता महाराष्ट्र में कुछ भारतीय जनता पार्टी नेता के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पोस्टर भी लगने शुरू हो गये हैं जो बतलाता है कि किस प्रकार से भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ लेने के लिए आमादा है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि वे अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को इससे बाज आने के लिये कहे वरना माना जायेगा कि सरकार इस सारी कवायद का सियासी फायदा लेने की फिराक में है। यह शर्मनाक भी है कि सेना की सफलता का श्रेय पार्टी ले- चाहे वह सत्तारुढ़ ही क्यों न हो। ऐसे में जब समझिये कि लड़ाई लगभग छिड़ ही गयी है, सभी को अपने तमाम मतभेद व क्षुद्र हितों को छोड़कर एक-दूसरे के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ा होना होगा।

हिंद की सेना का जवाब कि, 'हां तुम एक विफल राष्ट्र हो!'

पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है क्योंकि इसका जन्म ही नफ़रत की बुनियाद पर हुआ है। अंग्रेजों से आज़ाद होते ही भारत का बंटवारा हुआ और मानवता ने जिस वीभत्स मंज़र को देखा, उसकी मिसाल कम मिलती हैं। कई कलाकार, लेखक और पॉलिटिशियन मज़हब के आधार पर बंटे पाकिस्तान में चले तो गए लेकिन उम्र भर सिर्फ हिंदुस्तान को ही याद करते रहे, अपने दोस्तों से मिलने के लिए तड़पते रहे जैसे उन्हें यह अहसास हो गया था कि ग़लती हो चुकी है और समय का पहिया अब पीछे नहीं खींचा जा सकता। जो लिख सकते थे, उनके शब्दों में यह दर्द बयां हुआ और बाक़ी अपने दिलों में इस टीस के साथ ज़िंदा रहे। मशहूर और बेहतरीन कहानीकार सआदत अली हसन 'मंटो' (दो दिन बाद उनकी सालगिरह है) उन्हीं में से एक थे। उन्होंने विभाजन के समय हुए दंगों की त्रासदी को भीतर तक उतारा और फिर पन्नों पर। 'टोबा टेकसिंह' और 'खोल दो' उनकी ऐसी ही महान रचनाएं हैं। मंटो दोस्तों को अक्सर लिखा करते थे कि, च्यार मुझे वापस बुला लो !ज़्उन्होंने खु़दकुशी की कोशिश भी की थी। वे बहुत कम (43 साल) जी पाए। जैसे चिंता और जीवन का कोई गहरा रिश्ता हो। यूं तो मंटो के बारे में कहने को इतना कुछ है कि मंटो पढ़ाई-लिखाई में कुछ ख़ास नहीं थे, कि मंटो कॉलेज में उर्दू में ही फ़ेल हो गए थे, कि शायर फैज़ अहमद फ़ैज़ मंटो से केवल एक साल बड़े थे, कि उन्हें भी चेखोव की तरह टीबी था, कि वे बेहद निडर थे, कि उनकी कई कहानियों पर अश्लीलता के मुक़दमे चले और उनकी कहानियां तो बस इंसान को चीर के ही रख देती हैं। विभाजन से पहले के बॉम्बे में उनके किस्से-कहानियां फिल्म इंडस्ट्री की जान हुआ करते थे। बेशक मंटो का फिर पैदा होना मुश्किल है लेकिन अफ़सोस यह भी कि एक बेहतरीन कथाकार नफ़रत की भेंट चढ़ गया और असमय मौत की नींद सो गया।

ऐसे ही एक शायर रईस अमरोही थे जो जॉन एलिया के बड़े भाई थे। वे भी बंटवारे को बर्दाश्त नहीं कर पाए। उनका परिवार उत्तर प्रदेश के अमरोहा का था जो 1947 में पाकिस्तान चला गया। उनकी मेटाफिजिक्स, ध्यान और योग पर कई किताबें प्रकाशित हुईं। उनका भी दिल केवल भारत के लिए धड़कता रहा। वे लिखते हैं-

हिन्द की बहारों, तुम को सलाम पहुंचे
बिछड़े हुए नज़ारों, तुम को सलाम पहुंचे
भारत के चांद तारों, तुम को सलाम पहुंचे
बरसों के बाद यारों तुम को सलाम पहुंचे
ये नामा-ए -मोहब्बत यारों के नाम ले जा
ओ हिंद जाने वाले मेरा सलाम ले जा।

उनकी ऐसी कई नज़्मों का ज़िक्र और प्रकाशन विदेश सेवा के अधिकारी और सांसद रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान पेपर्स' में किया है। रईस अमरोही की 1988 में एक कट्टरपंथी समूह ने उनकी लाइब्रेरी में ही हत्या कर दी। कट्टरपंथी केवल किसी धर्म के ख़िलाफ़ नहीं होते। वे हर उस व्यक्ति के ख़िलाफ़ होते हैं जो उदारता की बात करता है, तरक्क़ी की बात करता है, शांति की बात करता है। वे ख़ुद में एक ज़िंदा बम होते हैं। ऐसे बीमार जिन्हें ताज़ा हवा कभी छूकर भी नहीं गुज़री होती। शक और डर में जीने वाले हैवानों का कुनबा जो निर्दोषों का खून बहाना जानता है। वे ही 22 अप्रैल को पहलगाम आए थे और कई स्त्रियों के सिंदूर उजाड़ गए। खुद मोहम्मद अली जिन्ना, जिन्हें पाकिस्तान का जनक और क़ायदे आज़म बताया जाता है, वे भी अपनी ज़िन्दगी में ही अनुभूत कर चुके थे कि पाकिस्तान का बनाना उनकी ग़लती थी। वे पाकिस्तान बनने के बाद केवल एक साल ज़िंदा रहे। मज़हब के आधार पर एक देश बनाने वाले ने कहा था- 'पाकिस्तान कोई ईश्वर शासित राज्य नहीं होगा जहां पीर-पुज्जे किसी खास मक़सद से राज करेंगे। देश में कई गैर मुस्लिम भी हैं जिन्हें समान अधिकार होंगे और वे मिलकर पाकिस्तान की तरक्की में शामिल होंगे।' अफ़सोस ऐसा हो न सका क्योंकि बुनियाद ऐसी नहीं थी।

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

> पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफ़ल राष्ट्र को जब-तब अपने किए-धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के 'गले की नस' बताया था।

पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि-राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफ़ल राष्ट्र को जब-तब अपने किए-धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के 'गले की नस' बताया था। इस बार वे खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में कैडेट की 'पासिंग आउट परेड' को संबोधित कर रहे थे। मुनीर ने कहा- ''द्वि-राष्ट्र सिद्धांत इस बुनियादी मान्यता पर आधारित था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग-अलग मुल्क हैं, एक नहीं। मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं- धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं।'' तब सवाल यही है कि बांग्लादेश क्यों पाकिस्तान से अलग हुआ? पाक सेना के प्रमुख यहां बुरी तरह फेल हुए हैं और फ़ेल हुआ है उनका मज़हब के आधार पर दो राष्ट्र बनाने का सिद्धांत। अगर जो भारत के सियासी दल धर्म को सियासत में शामिल करते रहे तब पाकिस्तान ज़रूर बांग्लादेश से सांठगांठ कर बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

साफ़ है कि एक विफल राष्ट्र का सेनाध्यक्ष कैसे अपनी सोच को सही बताने के इरादे से कुतर्क का सहारा लेने लगता है, जबकि भारत का सच दुनिया के सामने है। इसकी वजह जिन्ना के समकालीन हमारे नेताओं की दृष्टि और सोच है। पाकिस्तान के मज़हबी आधार पर निर्माण के बावजूद उन्हें कोई दुविधा नहीं थी कि वे भविष्य में कैसा भारत बनाएंगे। उन्होंने विश्व का बेहतरीन संविधान गढ़ा। देश जहां हर वर्ग, धर्म के नागरिक समान और मौलिक अधिकारों के दायरे में होंगे। कोई भेदभाव नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों कहां खड़े हैं? उसके पीछे 1947 की भीषण त्रासदी के बावजूद हमारे नेताओं की सर्वधर्म समभाव की सोच रही। इस सोच का परिचय भारतीय सेना ने बुधवार को तब भी दिया जब दो महिला अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दुनिया से साझा की। उन्होंने भारतीय सेना और वायु सेना की संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने विदेश सचिव मिस्त्री के साथ ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए मंगलवार रात एक बजे से डेढ़ बजे तक पाकिस्तान में निशाना बनाए गए ठिकानों के नाम और विवरण साझा किए। सिग्नल कोर की अधिकारी सोफिया कुरैशी ने हिंदी में बात की, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने अंग्रेजी में बात कही। कर्नल सोफिया ने 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। उनके परिवार की पृष्ठभूमि सेना में सेवा देने की रही है। सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा- 'हमें बहुत गर्व है। हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे। अब वह भी सेना में है।' ऑपरेशन सिंदूर के साथ यह काफ़ी है पाकिस्तान को भारत के अब तक के सफर और सोच को बताने के लिए।

उधर पाकिस्तान की सूचना मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खर ने कई विदेशी चैनलों को साक्षात्कार दिए लेकिन आतंकवादियों को पनाह देने के ख़िलाफ़ उनके पास कोई जवाब नहीं था क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में घुसकर मारा था। भारत के ख़िलाफ़ आतंक का प्रयोग पाकिस्तान की सेना और शासन दोनों के लिए खाद-पानी का काम करता रहा। उनका लोकतंत्र हमेशा सेना की बैसाखियों पर सवार रहा। पहलगाम नरसंहार के बावजूद भारतीय सेना ने सुरक्षात्मक रवैया अपनाया है। कोई सैनिक और नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया क्योंकि युद्ध खुद एक मसला होता है किसी मसले का हल नहीं।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता 9 मई से स्विट्जरलैंड में होगी शुरू

■ नित्य चक्रवर्ती

अब यह आधिकारिक हो गया है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीन के लिए अमेरिकी टैरिफ दरों को कम करने, वार्ता के लिए अपने इरादे की घोषणा करने, और उसके बाद कुछ दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद, चीन ने बुधवार की सुबह पुष्टि की कि एक उच्च स्तरीय चीनी वार्ता दल 9 मई से चार दिनों के लिए स्विट्जरलैंड का दौरा करेगा, जहां वह ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के नेतृत्व में अमेरिकी उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता करेगा। यह राष्ट्रपति ट्रम्प और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो कार्यालयों द्वारा पिछले कुछ दिनों में की गयी बैक चैनल चर्चाओं का परिणाम था।

अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले महीने के अंत में सबसे पहले तब कदम उठाया जब उन्होंने कुछ चीनी वस्तुओं पर दरें कम कीं और कहा कि वह राष्ट्रपति शी से बात करेंगे और मामले को सुलझा लेंगे। इसके तुरंत बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने चीनी राष्ट्रपति से बात की। उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर बात करने की आदत है। उन्होंने सीधे राष्ट्रपति शी से बात नहीं की, लेकिन उनके सलाहकार चीनी राष्ट्रपति के अधिकारियों के संपर्क में थे। इस तरह से ट्रंप ने शी के साथ अपनी बैठक के बारे में जो कहा, वह आधा सच था। दोनों राष्ट्रपतियों के अधिकारी बात कर रहे थे।

> चीनी स्त्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा।

अब कुछ बुनियादी बातों पर चर्चा के बाद, दोनों प्रतिनिधिमंडल चार दिनों के लिए तीसरे देश स्विट्जरलैंड में बैठक करेंगे, ताकि विस्तार से चर्चा की जा सके। व्यापार वार्ता इस बार निर्णायक नहीं हो सकती है, लेकिन इससे आगे की बैठकें आयोजित करने की प्रक्रिया आसान हो जायेगी, ताकि ट्रंप और शी आखिरकार मिल सकें और समझौते पर हस्ताक्षर कर सकें। यह याद रखना होगा कि व्यापार वार्ता उस समग्र समझौते का केवल एक हिस्सा है, जिसे ट्रंप अपने वैश्विक आख्यान के हिस्से के रूप में शी जिनपिंग के साथ करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें समय लगेगा और अगर जरूरत पड़ी तो इसे अलग-अलग हिस्सों में बांटा जायेगा, ताकि अन्य क्षेत्र प्रभावित न हों।

चीनी स्त्रोतों ने घोषणा के बाद कहा कि चीन की स्थिति सुसंगत है। चाहे टकराव हो या बातचीत, चीन का अपने विकास हितों की रक्षा करने का संकल्प कभी नहीं डगमगायेगा, न ही अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय तथा वैश्विक आर्थिक और व्यापार व्यवस्था को बनाये रखने में उसका रुख और उद्देश्य कभी डगमगायेगा। अगर हमें लड़ना होगा तो हम लड़ेंगे। अगर अमेरिका बात करना चाहता है तो हमारे दरवाजे खुले हैं। संवाद और बातचीत समानता, सम्मान और आपसी लाभ पर आधारित होनी चाहिए, प्रवक्ता ने आगे कहा।

सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन के वरिष्ठ फेलो ही वेइवेन ने बुधवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि स्विट्जरलैंड में चीनी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच होने वाली आगामी बैठक एक सकारात्मक विकास को दर्शाती है। 'यह तथ्य कि दोनों पक्ष मिलेंगे, एक अच्छा संकेत है, लेकिन कुंजी अमेरिकी पक्ष में है,' ही वेइवेन ने कहा, इस बात पर जोर देते हुए कि कोई ठोस परिणाम निकलता है या नहीं, यह वाशिंगटन की अपनी अन्यायपूर्ण और अवैध टैरिफ नीति को सही करने की इच्छा पर निर्भर करेगा-चीन पर बिना किसी पूर्व शर्त के या किसी मांग के। उन्होंने कहा, 'केवल तभी सार्थक बातचीत हो सकती है जब अमेरिका अपनी गलतियों को बदल दे।'

वैश्विक व्यापार विशेषज्ञों ने उल्लेख किया है कि ट्रम्प जल्दी बातचीत में अधिक रुचि रखते थे क्योंकि उनके सलाहकारों ने उन्हें बताया था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिका के कई व्यापार भागीदारों से बात कर रहे हैं और यदि ट्रम्प अभी भी चीन और अन्य देशों पर अपने मजबूत टैरिफ रुख पर कायम रहते हैं, तो शी जिनपिंग इस समय का उपयोग कुछ और देशों को अमेरिका के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रभावित करने के लिए करेंगे। अमेरिका के 180 देशों के साथ व्यापार भागीदारी है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण 50 से 75 देश हैं, जिनके साथ अमेरिकी राष्ट्रपति 90 दिन के विराम के भीतर व्यापार वार्ता शुरू करने की उम्मीद करते हैं, जो इस साल जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त हो रहा है।

केवल कुछ ही दिन पहले 4 मई को इटली के मिलन में आयोजित 28वीं आसियान प्लस थ्री वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया सहित आसियान सदस्यों ने जारी एक संयुक्त बयान में बढ़ती संरक्षणवाद और अस्थिर वैश्विक वित्तीय स्थितियों सहित बढ़ती अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए क्षेत्रीय एकता और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया था।

संयुक्त बयान, जिसमें अमेरिका का नाम नहीं लिया गया था, ऐसे समय में आया जब अमेरिका द्वारा लगाये गये नये टैरिफ दक्षिण पूर्व एशिया को बुरी तरह प्रभावित करने का खतरा पेश कर रहे हैं, निक्केई एशिया ने रिपोर्ट की। चीनी वित्त मंत्री लैनफोआन ने बैठक में भाग लिया और कुछ सत्रों की सह-अध्यक्षता की। लैन ने जोर देकर कहा कि- वैश्विक अर्थव्यवस्था गहन समायोजन से गुजर रही है, वैश्वीकरण के सामने चुनौतियां हंक और एकतरफावाद और संरक्षणवाद बढ़ रहा है। अस्थिरता और अनिश्चितताएं उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हैं। 10+3 क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाएं मजबूत लचीलापन प्रदर्शित करती हैं और उनमें महत्वपूर्ण विकास क्षमता है, लेकिन वे जटिल और गंभीर आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का भी सामना करती हैं।

लैन ने कहा कि चीन 10+3 ढांचे में सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए तैयार है ताकि खुलेपन और समावेशिता को बनाये रखा जा सके, एकजुटता और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और इस क्षेत्र की स्थिरता और निश्चितता के साथ वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता को संबोधित करने के लिए क्षेत्रीय वित्तीय सहयोग को लगातार गहरा किया जा सके। बैठक के बाद आसियान वेबसाइट पर जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि 'बढ़ते व्यापार संरक्षणवाद से वैश्विक व्यापार पर भार पड़ता है, जिससे वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता को बढ़ावा मिलता है। आर्थिक विखंडन के कारण व्यापार, निवेश और पूरे क्षेत्र में पूंजी प्रवाह प्रभावित हो रहा है। निकट भविष्य की संभावनाएं अन्य बाहरी जोखिमों से भी प्रभावित हो सकती हैं, जिसमें सख्त वैश्विक वित्तीय स्थितियां, प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में विकास में मंदी और निवेश प्रवाह में कमी शामिल है।'

अमेरिका जापान और आसियान देशों के साथ सबसे अधिक मित्रवत है, फिर भी शिखर सम्मेलन के बाद जारी किये गये बयान के लहजे से पता चलता है कि ट्रंप के एकतरफा टैरिफ वृद्धि कदम के खिलाफ उसे दिशा देने में चीन का प्रभाव है। व्यापार कूटनीति में अमेरिका को मात देने के लिए चीन अब जो कर रहा है, वह यह है कि राष्ट्रपति शी खुद को अमेरिका के घोर संरक्षणवाद के खिलाफ नियम आधारित वैश्वीकरण के नायक के रूप में पेश कर रहे हैं। अमेरिकी सलाहकारों ने इस पर ध्यान दिया है और ट्रंप से कहा है कि वे चीन को व्यापार वार्ता में शामिल करें ताकि अन्य देश भी इसका अनुसरण करें।

वैश्विक टैरिफ युद्ध ने कुछ क्षेत्रों में चीन को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। हालांकि चीन यह स्वीकार नहीं करता है कि कुछ क्षेत्रों में उत्पादन पैमाने को कम किया गया है, जो नवीनतम टैरिफ युद्ध में अत्यधिक प्रभावित हुए हैं। चीनी अर्थव्यवस्था में लचीलापन है, लेकिन यह अमेरिकी बाजार को निर्यात पर इतना अधिक निर्भर है कि अगर ट्रंप अपनी दरों में बदलाव नहीं करते हैं तो उसके पास बहुत सीमित विकल्प हैं। इसी तरह ट्रम्प के पास भी चीन के साथ जल्द से जल्द व्यापार समझौता करने की मजबूरी है। लेकिन भू-राजनीति भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका में है क्योंकि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वर्चस्व के लिए लड़ रही हैं। 9 मई से होने वाली स्विटजरलैंड वार्ता दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे व्यापार संबंधों के रुझान का संकेत देगी।

आपके पत्र

लगातार आतंकी हमलों के विरोध में उठाया गया कदम

140 करोड़ भारतीय जनमानस की भावनाओं के अनुरूप भारत की जांबाज सेना ने पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर सैन्य कार्रवाई करते हुए आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाकर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। भारत ने सैन्य कार्रवाई करते हुए केवल आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करके विश्व को यह भी संदेश दिया है कि हम भारतीय गांधी और बुद्ध के शांतिपूर्ण एवं न्याय की अवधारणा से जुड़े हैं। भारत एक शांतिप्रिय देश है और भारत का यह कदम पाकिस्तान के द्वारा लगातार आतंकी हमलों के विरोध में उठाया गया जरूरी कदम है, जिसको विश्व समुदाय जरूर समझेगा। भारत के प्रधानमंत्री ने सैनिक कार्रवाई के बाद महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात करके स्थिति से अवगत कराया जो भारत की सर्वोच्च कमांडर भी है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने इस कार्रवाई को गौरवमय एवं सराहनीय कदम बताया है। इस घटना के बाद सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक स्वर में केंद्र सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का पूर्ण समर्थन किया है। भारत की यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या के विरोध मे की गई है। इस आतंकी घटना के बाद देशभर में उत्तेजना और आक्रोश का माहौल बन गया था और भारत सरकार से यह अपेक्षा थी कि भारत की सरकार आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगा जिसकी परिणति अब देखने को मिली है। यह पाकिस्तान के लिए चेतावनी है कि जितनी जल्दी हो सके आतंकवादी गतिविधियों को अपने देश से समाप्त कर दे और किसी तरह का भी संरक्षण और सहयोग ना करे। आतंकी घटनाओं के कारण पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है। यदि समय रहते ऐसा नहीं किया तो पाकिस्तान की तबाही निश्चित है।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

ललित सुरजन की कलम से

वियतनाम: विश्व शांति के लिए एक पहल

'चीन, भारत, जापान, वियतनाम ये सब एशियाई देश हैं। याने एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। यह हर शांतिप्रिय नागरिक चाहेगा कि एशिया में शांति का वातावरण बना रहे। इस दृष्टि से यह आवश्यक हो जाता है कि हिन्द महासागर हो या प्रशांत महासागर, लाल सागर हो या बंगाल की खाड़ी या दक्षिण चीन समुद्र या मलक्का जल डमरूमध्य- इस पूरे जल क्षेत्र में किसी तरह की कोई सैनिक हलचल न हो। यदि दो महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता के बीच एशिया के समुद्रों में सैनिक अड्डे आदि बनते हैं तो उससे इन एशियाई देशों के अनिष्ट की आशंका हमेशा बनी रहेगी। इस परिदृश्य पर गौर करते हुए कार्यशाला में एकमतेन स्वीकार किया गया कि ये जलराशियां मानवता की साझी धरोहर हैं और इनमें किसी भी तरह की सामरिक गतिविधियां होना अवांछित है तथा इन्हें सदा के लिए शांति का क्षेत्र बने रहना चाहिए।'

'तीन दिवसीय कार्यक्रम में इन दो प्रमुख मुद्दों के अलावा परमाणु निशस्त्रीकरण, आतंकवाद, अमेरिका की बढ़ती हुई दादागिरी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच तनाव कम करने के जो प्रयत्न हो रहे हैं इन पर संतोष व्यक्त किया गया।'

(देशबन्धु में 21 जून 2018 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2018/06/blog-post_20.html

पावन प्रसंग

सबसे बड़ा संतोष धन

जीवन में असंतोष का अपना ही महत्व है। यदि व्यक्ति या समाज अपनी यथास्थिति से संतुष्ट होकर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाए तो उसकी सभ्यता, संस्कृति के विकास का मार्ग ही अवरुद्ध हो जाए। इस संदर्भ में असंतोष उचित माना जा सकता है। जहां इसके द्वारा जीवन की उन्नति, प्रगति एवं उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त होता है, लेकिन जब असंतोष के प्रेरक तत्व लोभ अनावश्यक प्रतिद्वंद्विता और ईर्ष्या, द्वेष जैसे नकारात्मक भाव हो जाएं तो यह जीवन की सुख-शांति को चौपट कर देता है।

आज चारों ओर ईर्ष्या-द्वेष और अस्वस्थ होड़ का बोलबाला है। जीवन मूल्यों के क्षरण और नैतिक पतन के कारण इंसान प्रतिद्वंद्विता की अंधी दौड़ में शामिल है। जो सहज रूप से उपलब्ध है, उसमें संतुष्ट नहीं, जबकि उससे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो रही हैं, सामान्य जीवनयापन चल रहा हो लेकिन जब दूसरों से तुलना करने का, उनकी तरह ठाठ-बाट, महंगे शौक और वैभव प्रदर्शन का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है तो फिर इसका कोई अंत नहीं।

असंतोष से जुड़ी समस्या यहीं से प्रारंभ हो जाती है। इस अंधी दौड़ में यह भी नहीं सूझ पड़ता कि दूसरे का जो वैभव या चमक-दमक दिख रही है, उसका यथार्थ क्या है? क्या वह ईमानदारी की कमाई है। यदि बेईमानी, भ्रष्टाचार या चापलूसी से रौब-दाब, प्रभाव या संपत्ति अर्जित की है तो उसका क्या मोल? ऐसे में दूसरों की चिकनी-चुपड़ी रोटी से तो अपनी रूखी-सूखी ही श्रेष्ठ है, जिसमें मन की शांति संतोष साथ में रहें और जीवन की सद्गति भी सुनिश्चित हो।

यदि दूसरे की कमाई ईमानदारी की है तो उसके वैभव. पद या प्रभाव के पीछे निहित अथक श्रम, त्याग- बलिदान और समर्पण से सीख लेने की आवश्यकता है। भाग्यवश कोई फल-फूल रहा है तो वह भी अनायास ही नहीं होता। किसी पुण्य कर्मों का सुफल वह भोग रहा है। ऐसे में उस व्यक्ति से तो प्रेरणा लेने की आवश्यकता है, जिसके आधार पर आप भी उचित कर्म एवं पुरुषार्थ के बल पर अभीष्ट उपलब्धि की ओर कदम बढ़ा सकें। वास्तव ईश्वर ने पहले ही इंसान को सब कुछ देकर ही धरती पर भेजा है। इतना क्षमतावान शरीर, कल्पनाशक्ति से युक्त मन, निर्णय लेने व योजना बनाने में सक्षम बुद्धि, परिस्थितियों को देखकर संवेदित आंदोलित होने वाला हृदय, जिसके केंद्र में दैवी संभावनाएं लिए स्वयं परमेश्वर विराजमान है।

इनके साथ इंसान अपनी संवेदनशक्ति के साथ मनचाही सृष्टि की रचना कर सकता है। बीज रूप में वह सारी क्षमताएं ईश्वर ने दे रखी हैं, जिनके आधार पर वह महामानव, देवमानव बन सकता है और दैवी संपति का उचित अधिकारी बन सकता है। इस पृष्ठभूमि में नश्वर सांसारिक वैभव संपत्ति के लिए किसी से प्रतिद्वद्विता में अपना समय और ऊर्जा नष्ट करने में कौन सी समझदारी है? जीवन की वास्तविक संपदा अंदर छिपी है, उसको प्राप्त करने के लिए किससे प्रतिद्वंद्विता? आदर्शों का, श्रेष्ठता का सेवा साधना का, त्याग, बलिदान का वह मार्ग तो खाली पड़ा है जिसमें प्रतिदिन स्वयं के ही कीर्तिमान तोड़ने हैं और नित्यप्रति आंतरिक विकास के पथ पर ही अग्रसर होना है।

-अखंड ज्योति

सार-समाचार

ग्राम पड़रिया और कदवां में होंगे 159 लाख के विकास कार्य

छतरपुर, देशबन्धु। विधायक ललिता यादव ने ग्राम पड़रिया और कदवां में 159 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यो के लिए भूमिपूजन और लोकार्पण किया है। विधायक ने ग्राम पड़रिया में एक करोड़ 23 लाख की लागत से बनने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन निर्माण के लिए भूमि-पूजन किया है। साथ ही 6 लाख की लागत से बनकर तैयार पुलिया का लोकार्पण किया है। इसी तरह ग्राम कदवां में बंसल समाज के लिए 5 लाख से बनने वाले समाज भवन के लिए भूमि-पूजन और के साथ ही 3 लाख की लागत से अहिरवार समाज के समाज भवन के लिए ब्राउण्ड्रीबाल, राईपुरा में शारदा माता मंदिर में 5.62 लाख की से बनने वाली ब्राउण्ड्रीबाल और 10 लाख 38 हजार की लागत से राईपुरा में सीसी रोड के लिए भूमि-पूजन किया गया है। विधायक श्रीमति यादव ने गांव के बच्चों से की समस्याओं की जानकारी ली और उन्हें बेहतर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि अपने बच्चें को बेहतर शिक्षा दिलाएं, जिससे उनका भविष्य संवर जाए।

दो वाहनों की टक्कर में एक मृत, दो लोग घायल

छतरपुर, देशबन्धु। राजनगर क्षेत्र में रनेह फॉल रोड पर भवानीपुरा गाँव के पास बीती रात 11.30 बजे एक मोटरसाइकिल और पिकअप लोडर वाहन की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि घायल दो युवको का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक पन्ना जिले के ग्राम बनहारी का कंदी पुत्र सरजू आदिवासी 25 वर्ष अपने साथी भोला आदिवासी 25 वर्ष और संतु पुत्र पूरन आदिवासी 12 वर्ष के साथ, बीती रात मोटरसाइकिल से करिया बीजो गाँव से धुन्चू गाँव जा रहा था। तभी रनेह फॉल रोड पर भवानीपुरा गाँव के पास उनकी मोटरसाइकिल की पिकअप लोडर वाहन ने टक्कर मार दी थी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को खजुराहो अस्पताल ले जाया गया, वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया गया। मृतक कंदी का पोस्टमॉर्टम गुरुवार को जिला अस्पताल छतरपुर में किया गया है।

पीएम आवास योजना के आवेदनों का सत्यापन शुरू

हरपालपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत आवासहीन लोगों को राहत देने के लिए हरपालपुर में भौतिक सत्यापन का कार्य शुरू हो गया है। गुरुवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर नौगांव तहसीलदार रंजना यादव के नेतृत्व में राजस्व और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने वार्डों में घर-घर जाकर पीएम आवास योजना के आवेदनों की जांच शुरू कर दी है। अमले ने हरपालपुर के वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक प्राप्त 285 आवेदन पत्रों की मौके पर जाकर जांच-पड़ताल की। तहसीलदार रंजना यादव के साथ गठित दल में राजस्व निरीक्षक द्वारका प्रसाद गुप्ता, आशीष पांडेय, पटवारी प्रदीप पाठक, वार्ड प्रभारी संतोष निरंजन और देवेंद्र पटेरिया शामिल रहे। इस दल ने आवेदकों की पात्रता के मापदंडों की जांच की। सीएमओ महादेव अवस्थी ने बताया सत्यापन का कार्य एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दावा-आपत्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। संभावना है कि अगले छह माह में पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

संभागायुक्त ने तहसील कार्यालय तथा निर्माणधीन सांदीपनी विद्यालय भवन का निरीक्षण किया, कहा

निर्धारित मापदण्डों तथा गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण कराएं

रायसेन, देशबन्धु। भोपाल संभागायुक्त संजीव सिंह द्वारा गुरुवार को रायसेन में निर्माणाधीन शासकीय सांदीपनी विद्यालय के निर्माणाधीन भवन तथा तहसील कार्यालय रायसेन का निरीक्षण किया गया। सांदीपनी विद्यालय के निर्माणाधीन भवन के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी से निर्माणाधीन विद्यालय भवन के संबंध में जानकारी लेते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समयावधि में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने निर्माण कार्य के बारे में अवगत कराया।

श्री सिंह ने निर्माणाधीन विद्यालय भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारी से सांदीपनी विद्यालय भवन में निर्मित किए जा रहे सभी ब्लॉक, कक्षों, हॉल, कॉरीडोर, प्रयोगशाला आदि के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य से संबंधित तय मापदंडों

का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त को निर्माण एजेंसी ने बताया कि इसी वर्ष अगस्त माह तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने विद्यालय के ड्राइंग प्लान का भी अवलोकन किया। श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक से विद्यालय में स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर लैब, प्रयोगशाला, फर्नीचर आदि के बारे में भी जानकारी ली।

राजस्व प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करें : संभागायुक्त श्री सिंह ने रायसेन में तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसील न्यायालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निराकृत हो चुके राजस्व प्रकरणों की फाईलें खुलवाकर उनका अवलोकन किया और आदेशों के पालन के संबंध में जानकारी ली। श्री सिंह को कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण, पारित आदेशों को पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज किए जाने तथा राजस्व संबंधी गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। श्री सिंह द्वारा तहसीलदार न्यायालय की कार्यवाही के अभिलेखों का सूक्ष्मता से अवलोकन कर रायसेन तहसीलदार से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण संबंधी जानकारी ली।

उन्होंने आरसीएमएस पोर्टल पर प्रकरण की जानकारी तथा पारित आदेश की जानकारी ऑनलाईन दर्ज किए जाने की भी जानकारी ली। संभागायुक्त ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी कार्य समय सीमा में निराकृत किए जाएं, जिससे कि आमजन को परेशान न होना पड़े। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर मनीष शर्मा, एसडीएम मुकेश सिंह सहित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

आशियाना उजड़ने के 3 दिन बाद भी कोई अधिकारी व जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचा

नारकीय जीवन जीने को मजबूर नागदा सातखोरी के 60 परिवार

देवास, देशबन्धु। विगत दिनों चली तेज हवा आंधी के कारण नागदा सातखोरी में निवास कर रहे घुम्मकड़ व अन्य जाति के करीब 60 परिवारों का आशियाना उजड गया था। आज तीन दिन हो चुके है, लेकिन कोई जवाबदार प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि सुध लेने नही आया। अखिल भारतीय घुम्मकड जनजाति नाथ समाज के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह नाथ ने बताया कि हम सभी लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। प्रशासन व जनप्रतिनिधि कोई हमारा साथ नहीं दे रहा है। बिना पानी, बिजली के खुले में जीवन जीने को मजबूर है। न खाने का ठिकाना है और न ही सोन का ठिकाना है। नागदा सात खोरी के क्षेत्र में वर्षों से निवास कर रहे 60 परिवारों को पट्टा नहीं मिल रहा है। बेमौसम बारिश के चलते आशियानें उजड़ चुके हैं। प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुके हैं। करीब 20 वर्षों से नागदा में रहते थे, प्रशासन ने हमें वहां से हटाकर यहां रहने के लिए जमीन दी थी। अब यहां से भी हमें हटाया जा रहा है और कहीं भी पट्टे नहीं दिए जा रहे हैं। प्रशासन ने पहले हमें यहां बसाया और अब वापस हटाया जा रहा है। पीड़ितों ने कहा कि यहां पर बिजली-पानी की समस्या तो पहले से है और अब हमारे आशियाने भी उजड़ गए हैं।

सांसद, विधायक के साथ प्रशासन से भी कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हमारी सुनवाई नहीं हुई। हमारे साथ ऐसा बर्ताव क्यों किया जा रहा है। 3 दिन हो चुके है, लेकिन कोई स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी हमारा हालचाल जानने नहीं आया। जहां हम निवास करते है वहां जहरीले जानवरों का भी डर बना रहता है। कुछ दिन पहले एक बालिका को बिच्छू ने काट लिया था। करीब 50 से 60 हजार का कर्ज लेकर हमने उसका इलाज कराया। विगत दिनों हवा-आंधी से एक बालक के कान व गाल में चोंट आई। उसके कान के चारे ओर टांके लगे हुए है। पीड़ित घुमक्कड़ नाथ जाति के लोगों ने मांग की है कि शासन-प्रशासन, स्थानीय जन प्रतिनिधि शीघ्र अतिशीघ्र मौके का निरीक्षण कर हमारी समस्या का निदान करे।

ग्राम सांचेत में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल आयोजित

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमदान कर की प्राचीन बावड़ी की सफाई

रायसेन, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन जिले के सांची जनपद के ग्राम सांचेत में जल चौपाल का आयोजन किया गया। जल चौपाल में संभागायुक्त संजीव सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि बारिश के अधिक से अधिक पानी को संग्रहित करने के लिए शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें तालाब, बावड़ी, कुएं सहित अन्य जल संरचनाओं की मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है।

यहां ग्राम में स्थित प्राचीन बावड़ी, कुएं आदि जल संरचनाओं की साफ-सफाई और संरक्षण से इनमें बारिश का अधिक से अधिक पानी संग्रहित हो सकेगा। ग्रामीणजन यह संकल्प लें कि बारिश की हर बूंद को सहेजने के लिए प्रयास करेंगे।

सांची विधायक डॉ. चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि पानी की एक-एक बूंद का महत्व है। वर्तमान में जल संरक्षण बेहद जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया है। जिसमें नदी, तालाब, कुओं, बावड़ी आदि की साफ-सफाई की जा रही है। उनका जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पहले इनमें वर्ष भर पानी रहता था, लेकिन अब गर्मी का मौसम आने के पहले ही या तो यह जल स्त्रोत सूख जाते हैं या पानी कम हो जाता है।

सभी ग्रामीण इस अभियान से जुड़े और जल स्त्रोतों के संरक्षण में अपना योगदान दें जिससे कि इन्हें वर्ष भर पानी संग्रहण के लिए उपयोगी बनाया जा सके। जल चौपाल में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा राकेश शर्मा ने ग्रामीणजन को संबोधित कर जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमदान कर की प्राचीन बावड़ी की सफाई : ग्राम सांचेत में जल चौपाल के पहले सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, सांची जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पोर्ते, संभागायुक्त संजीव सिंह, कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, राकेश शर्मा तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक रूप से श्रमदान कर प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई की गई।

लोक अदालत कल, 28 खंडपीठों में होगी सुनवाई

छतरपुर, देशबन्धु। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह ने बताया 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें 28 खंडपीठों में प्रकरणों की सुनवाई करके राजीनामा से उनका निराकरण किया जाएगा। बताया गया है जिला न्यायालय छतरपुर और तहसील न्यायालय नौगांव, बिजावर, लवकुशनगर, राजनगर और बड़ामलहरा सहित कुल 28 खंडपीठों का गठन किया गया है। जिसमें जिला न्यायालय छतरपुर में 10 और तहसील स्तर पर 18 खण्डपीठों में आपसी सुलह व समझौतों के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत में राजीनामा योग्य सिविल, क्रिमिनल, विद्युत, नगर पालिका, बैंक, वित्तीय बैंक, ऋण संबंधी एवं दूरसंचार विभाग के प्रीलिटिगेशन और न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सिंह ने लोगों से आग्रह किया है कि वे 10 मई को नेशनल लोक अदालत में आकर लंबित विचाराधीन समस्त राजीनामा योग्य प्रकरण का निराकरण कराके लाभ उठाएं।

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर, नगर में जश्न का माहौल

सांची, देशबन्धु। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना की सख्त कार्रवाई के बाद पूरे देश में जहां गर्व और राहत का माहौल है, वहीं सांची नगर में भी लोगों में जबरदस्त उत्साह के साथ जश्न सा माहौल दिखा। नगरवासियों ने सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर एकजुट होकर भारत सरकार और सेना का आभार जताया। नगर के युवाओं, व्यापारियों और समाजसेवियों ने भी सड़कों पर निकलकर भारत माता के जयकारे लगाए और मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

भारतीय सेना ने विगत रात्रि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देते हुए पाकिस्तान में छिपे आतंकियों के ठिकानों पर मिसाइल से हमले किए। इस जवाबी कार्रवाई में आतंकियों के कई ठिकाने तबाह कर दिए गए। सांची के रहवासियों ने इस ऑपरेशन की सफलता को लेकर हर्ष और गर्व व्यक्त किया। नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने कहा, हम पर्यटकों पर कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हैं और सरकार व सेना का आभार प्रकट करते हैं कि उन्होंने आतंकवादियों को उनकी भाषा में जवाब दिया। वरिष्ठ समाजसेवी कमल किशोर पटेल ने कहा, अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान को और कड़ा सबक सिखाया जाए। भारत सरकार और सेना की यह कार्यवाही स्वागत योग्य है। पार्षद विवेक तिवारी ने कहा, हमारी सेना ने अभी केवल ट्रेलर दिखाया है, फिल्म अभी बाकी है। हमें अपनी सेना पर गर्व है।

समाजसेवी शकील पटेल और मुशर्रफ कुरैशी ने एक स्वर में कहा, आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने का समय आ गया है, हमारी सरकार और सेना जो कदम उठा रही है, हम उसमें पूरी तरह उनके साथ हैं। सपा नेता आरएस. यादव ने कहा, इस ऑपरेशन ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कोई भी कड़ा कदम उठाने से नहीं हिचकिचाएगा। सेना की यह कार्रवाई केवल शहीदों को न्याय दिलाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है, बल्कि देशवासियों में भरोसा और सुरक्षा का भाव भी मजबूत किया है।

2 होटल में मिली अनियमितता, संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज

- होटल व लॉज को लेकर चला सघन जांच अभियान

देवास, देशबन्धु। मौजूदा हालात के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है, जिसके चलते शहर के होटल और लॉजों की जांच के लिए अभियान चलाया जा रही है। पुलिस द्वारा आज शहर के विभिन्न होटल और लॉजों में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने जिला देवास के समस्त थाना क्षेत्रों अन्तर्गत प्रभावी रूप से गश्त कर होटल, लॉज और धर्मशालाओं में रूकने वालों की चेकिंग कर शाम व रात्रि में गश्त करते हुए अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के लिए निर्देशित किया है। जिस पर पुलिस ने रात में होटल, ढाबों,

लॉज बाहर से आकर रुके लोगों और फेरीवालों को चेक किया। उनके द्वारा थाने में मुसाफिरी दर्ज कराई गई है या नहीं कितने लोग हैं कहां-कहां जाते हैं, क्या करते हैं इत्यादि बिन्दुओं की तस्दीक की गई। इसी कड़ी में औद्योगिक थाना प्रभारी द्वारा अपने थाने की टीम के साथ मिलक थाना क्षेत्र के होटलों को चैक किया जा रहा था। इस दौरान होटल रींगस कैलादेवी रौड़, देवास तथा होटल गोल्डन विंग्स, सर्विस रोड़ विकासनगर चौराहा के पास देवास को चेक किया गया। जिसमें होटल पर ठहरने वालों का रजिस्टर चेक करते रजिस्टर में विधिवत प्रविष्ठि नहीं पाई गई, न ही ठहरने वालों के पहचान पत्र का संधारण पाया गया, न ही ठहरने वालों कि होटल संचालक द्वारा थाने पर सूचना दी गई।

कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन मानते हुए की कार्रवाई : जिससे होटल रींगस कैलादेवी रौड़, देवास के संचालक अशोक सोलंकी उम्र 54 साल निवासी देवास एवं होटल गोल्डन विंग्स, सर्विस रोड़ विकासनगर चौराहा के पास देवास के संचालक विपिन दायमा (28) निवासी भवानीसागर देवास पर दोनो संचालको के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में द्व4, जाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी के साथ पुलिस ने थाना, चौकी क्षेत्र में पैदल व मोबाइल वाहन से भ्रमण किया जाकर भ्रमण के दौरान होटल, ढाबों, धर्मशालाओं, बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थानों आदि की औचक चैकिंग करते हुए अवैध रूप से जमावड़ा कम करने और किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां न हो इसकी समझाईश दी गई। इसके अलावा शराब दुकान के आसपास बैठकर शराब पीने वालों को हिदायत देकर वहां से जाने को कहा गया।

छात्रों को यह बताया जाए कि आखिर उन्हें जीवन में करना क्या है : असाटी

छतरपुर, देशबन्धु। महर्षि विद्या मंदिर में चेतना विकास पर आधारित 9 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए आनंद विभाग के जिला संपर्क व्यक्ति लखनलाल असाटी ने कहा छात्रों को यह बताया जाए कि आखिर उन्हें जीवन में करना क्या है? कैसे करेंगे, यह तो वह आपके न बताने पर भी कर लेंगे।

श्री असाटी ने कहा प्रशिक्षण और शिक्षण में अंतर बताते हुए कहा सर्कस में रिंग मास्टर हड्डी और हंटर दिखाकर हिंसक पशुओं से भी मनचाहा करतब करा लेता है, यह एक तरह का कौशल प्रशिक्षण है परंतु छात्र के समग्र विकास के लिए मूल्य आधारित शिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षक को भय और प्रलोभन की जगह सही समझ और सही भाव से छात्रों का समग्र विकास करना होगा। उन्होंने कहा मानव की मूल चाहना और उसकी पूर्ति के लिए समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका को देखना होगा।

मूल चाहना को देखेंगे, तो प्रत्येक मानव निरंतर समृद्धि के साथ सुखपूर्वक जीना चाहता है। समझदार होने का मतलब जिम्मेदार होना है, अन्यथा मानव सूचना सम्पन्न होकर ही रह जाएगा। जो व्यक्ति जैसा जीता है, यह उसका संस्कार है और जब अनेक लोगों के संस्कार को जोड़कर देखते हैं तो वह संस्कृति कहलाती है।

श्री असाटी ने समझ, संबंध और साधन पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए जानना चाहा कि अभी परिवार में संवाद का विषय साधनों की उपलब्धता है अथवा संबंधों का निर्वाह है। संबंध न होने पर जमीन के एक टुकड़े के लिए भी भाईयों के बीच विवाद हो सकता है, पर संबंध ठीक रहने पर जमीन का हिस्सा महत्वपूर्ण नहीं रह जाता है।

इसके पूर्व विद्यालय के प्राचार्य सीके शर्मा ने प्रशिक्षण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पहले 6 दिन चेतना विकास पर काम किया जा रहा है, उसके बाद तीन दिन एकेडिमक शिक्षण पर संवाद होगा। इस प्रशिक्षण में कई जिलों के 75 शिक्षक शामिल होंगे।

डेढ़ वर्ष पूर्व हुई चोरी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुई चोरी का गुरुवार को पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी और एक कार बरामद की गई है। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करके, जेल भेज दिया गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया ललौनी तिराहा स्थित कमल आडवाणी के घर 16 जनवरी 2024 को करीब 40 हजार रुपये की नगदी चोरी हुई थी। उन्होंने बताया इस वारदात को अंजाम देने वाले बंटे उर्फ रोहित रैकवार और गौरव अनुरागी, दोनों निवासी न्यू कॉलोनी नौगांव, रामनेत पटैरिया निवासी ग्राम नदनपुर नौगांव और बाबूलाल अहिरवार निवासी ग्राम बड़ागांव मऊरानीपुर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से 38 हजार रुपए नगद और चोरी की घटना में इस्तेमाल स्विफ्ट कार को जप्त कर लिया गया है।

मझौरा पंचायत में फर्जी बिलों से लाखों का घोटाला, 39 पंचायतें जांच के घेरे में

बकस्वाहा, देशबन्धु। *जनपद पंचायत बकस्वाहा की मझौरा पंचायत में फर्जी बिलों के ज़रिए लाखों का घोटाला सामने आया है। दरअसल निर्माण कार्यों के नाम पर फर्जी बिल लगाकर राशि का भुगतान किया गया, जबकि ज़मीनी स्तर पर काम अधूरे या कहीं-कहीं शुरू ही नहीं हुए।*

सूत्रों के अनुसार, ग्राम पंचायत मझौरा में सरपंच नन्हे यादव, सचिव भगवानदास यादव और रोजगार सहायक संतोष यादव पर आरोप है कि इन्होंने बिना जीएसटी नंबर और रजिस्टर्ड फर्म के फर्जी बिल तैयार कर बाउंड्रीवॉल, चबूतरा निर्माण, ई-कक्ष निर्माण जैसे कार्यों में करोड़ों रुपये की हेराफेरी की। यहां तक कि मोबाइल रिचार्ज जैसे निजी खर्चों के भी फर्जी बिल बनवाकर भुगतान कराया गया। मजेदार बात यह है कि जिन दुकानों के बिल पेश किए गए, ज़मीनी जांच में वे दुकानें अस्तित्व में ही नहीं मिलीं। फिर भी पंचायत के डिजिटल प्लेटफार्म पंचायत दर्पण पर यह फर्जीवाड़ा दर्ज किया गया, जिसे अधिकारियों ने अनदेखा किया।

अधिकारियों की मिलीभगत उजागर

यह घोटाला केवल पंचायत स्तर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनपद पंचायत कार्यालय में बैठे कुछ इंजीनियर और भ्रष्ट अधिकारी भी इस बंदरबांट में शामिल रहे। जानकारों के अनुसार बकस्वाहा क्षेत्र में कोई रजिस्टर्ड रेत खदान नहीं है, फिर भी पंचायतों में रेत की आपूर्ति के बिल लगाए जा रहे हैं। अगर रेत बाहर से लाई गई, तो संबंधित दुकानदारों के पास ई-रॉयल्टी, ट्रांसपोर्ट दस्तावेज और टैक्स रिकॉर्ड होना चाहिए, जो कि नहीं है।

39 पंचायतों में चल रहा है यही खेल

मिली जानकारी के अनुसार यह घोटाला केवल मझौरा तक सीमित नहीं, बल्कि बकस्वाहा विकासखंड की करीब 39 पंचायतों में इसी प्रकार का फर्जी बिल घोटाला चल रहा है। आरोप है कि कई सरपंचों ने खुद की फर्म बनवा ली है और उन्हीं के फर्जी बिल लगाकर सरकारी राशि का दुरुपयोग कर रहे हैं।

इनका कहना है

इस बारे में आपसे हमें जानकारी मिली है। इस मामले की जांच कराएंगे और दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रजनी यादव
जनपद अध्यक्ष, बक्सवाहा

फर्जी बिल लगाकर अगर शासन की राशि निकाली गई है तो जांच कर कार्यवाही होगी।

अंजना नागर
सीईओ, जपं बक्स्वाहा

सार समाचार

दिव्यांशी कुशवाह प्रथम, कविता दूसरे स्थान पर रहीं

आष्टा, देशबन्धु। एस कान्वेंट कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्यनरत कक्षा 10वीं 12वीं के छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा जिसमें कक्षा दसवीं में दिव्यांशी कुशवाह ने प्रथम स्थान 80 प्रतिशत कविता द्वितीय स्थान 78 प्रतिशत योगेंद्र कुशवाहा ने तृतीय स्थान 76 प्रतिशत इसी तरह कक्षा 12वीं में रिजल्ट रिया शेख बायोलॉजी ग्रुप 78: प्रतिशत पीयूष पटेल ने द्वितीय स्थान नजमा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्था को गोर्बान्वित किया इस अवसर पर संस्था के संचालक दिलीप शर्मा एडवोकेट प्राचार्य हरीश शर्मा उप प्राचार्य श्रीमती नेहा शर्मा श्रीमती अलका वर्मा सहित समस्त स्टाफ जनों ने छात्र-छात्राओं को बहुत-बहुत बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की

हज यात्रा पर जाने वाले अली का किया स्वागत

आष्टा, देशबन्धु। पाके हज का महीना मुबारक मौके पर इस वर्ष हज पर जाने वाले में हज कमेटी के सचिव सैयद हारिस अली इस वर्ष हज को जा रहे हैं। उनका स्वागत अल्पसंखयक मोर्चा की ओर से बायपास पर रखा गया। हज पर जाने वाले सैयद हारिस ा अली का स्वागत अल्पसंखयक मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ. इदरीस खान, वक्फ बोर्ड के तहसील अध्यक्ष मिर्जा फारूक बेग, सलीम ठेकेदार, इरशाद अंसारी,शैख जमील, तौसीफ शैख, सादीक शैख, बाबर खॉ, हलीम अंसारी, सहित बड़ी संख्या में सैयद हारिस अली का पुष्पमाला से स्वागत किया।

स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों के साथ विधायक ने बनाई कार्य योजना

जल गंगा संवर्धन अभियान : बदलेगी केथन नदी के उद्गम स्थल तरवारिया के तालाब की सूरत

सिरोंज, देशबन्धु। केथन नदी के उद्गम स्थल ग्राम तरवरिया के प्राचीन तालाब के गहरीकरण तथा तलाब में भरने वाले पानी के बहाव छरछारा का केथन नदी की ओर करवाने की योजना बनाने को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा ने आज प्रशासन के साथ तरवारिया एवं बामोरी, इमामनगर का दौरा किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से इन तालाबों का प्राचीन स्वरूप लौटने की कल्पना करते हुए विधायक शर्मा ने स्थानीय ग्रामीणों से भी इन तालाबों के बारे में पूछताछ की।

ग्रामीणों ने तरवारिया के तालाब में पानी भरने के उपरांत होने वाले मछली पालन पर प्रतिबंध लगाने जाने का भी अनुरोध किया। विधायक ने एसडीएम हर्षल चौधरी से तालाब के गहरीकरण की विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

विधायक शर्मा ने कहा कि यह स्थान केथन नदी का उद्गम स्थल है। इन तालाब में जब कमल के फूल का उत्पादन होता है तब यहां का प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है इसके अलावा यहां सिंगाड़े सहित रेत में होने वाली खेती भी होती है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से इन तालाबों को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर उनकी विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों की मांग पर विधायक शर्मा ने तरवारिया में तालाब किनारे स्थित मंदिर के पास घाट बनाने की बात भी कही।

इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा नेता संतोष चौरे,पूर्व जनपद अध्यक्ष हमीर सिंह यादव, अशोक रावल, तहसीलदार संजय चौरसिया,फूलसिंह दांगी,स्थानीय सरपंच बाबूलाल कुशवाह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चौपाल लगाकर हितग्राहियों से की बात

- अचानक से प्रशासन के अधिकारियों के साथ विधायक शर्मा के तरवारिया गांव में पहुंचने की सूचना मिलते ही तलब किनारे स्थित मंदिर पर स्थानीय ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। तालाब की कार्य योजना से स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने से बाद विधायक शर्मा ने ग्रामीणों के साथ मंदिर परिसर में चौपाल लगाकर सरकारी योजनाओं के माध्यम से मिलने वाली लाभों के बारे में भी पूछताछ की।

स्कूल में प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार में श्रमदान कर बोले विधायक

जल स्रोतों का संरक्षण व संवर्धन हमारा कर्तव्य

आष्टा, देशबन्धु। निर्माणाधीन सांदीपनि सीएम राइज़ विद्यालय में प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का शुभारम्भ विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर द्वारा किया गया। प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश सरकार का लक्ष्य सत्तर हजार पुराने कुएं ,तालाब और बावड़ियो को ठीक करना हैं। इसी श्रंखला में विद्यालय में प्राचीन बावड़ी का जीर्णोद्धार किया जा रहा हैं। यह नगर की एक प्रसिद्ध बावड़ी हैं। जिसका उपयोग नागरिको द्वारा पेय जल के लिए किया जाता रहा हैं। इसके जीर्णोद्धार से भू-जल स्तर में वृद्धि होगी और जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

निर्माणाधीन विद्यालय में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का समुचित उपयोग करते हुए पानी इस बावड़ी में संचित किया जाएगा। विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने विधि-विधान से प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन कियाऔर निर्देशित किया कि जल गंगा अभियान के अंतर्गत इस कार्य को प्राथमिकता से शीघ्रता पूर्वक कर उन्होंने कहा

कि इस प्रकार की जल संरचनाए हमारी विरासत हैं। और इनको संरक्षित एवं संवर्धित करना हमारा कर्तव्य हैं। वर्तमान में जल संकट गहराता जा रहा हैं।

यदि जल का सही तरीके से संरक्षण कर लिया जाए तो जल संकट हो ही नहीं सकता। इस अवसर पर श्रीमती स्वाति मिश्रा उपाध्याय एसडीएम,मुकेश सवाले प्रभारी तहसीलदार ,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया ,प्राचार्य सितवत खान,राजेश सक्सेना सीएमओ,आशीष विश्वकर्मा , इंजीनियर पी के साहू आदि उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मेवाड़ा ने किया प्रतिभावान छात्रों का सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश की हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की टॉप टेन में सांदीपनि सी एम राइज़ विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों गोविन्द और नकुल प्रजापति ने आठवा और दसवा स्थान प्राप्त किया। जीवविज्ञान संकाय में गोविन्द ने 95.2 और नकुल प्रजापति ने 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सीहोर जिले को गौरवान्वित किया हैं।

जिले से शासकीय विद्यालयों में केवल सांदीपनि सी एम राइज़ विद्यालय आष्टा के ही दोनों विद्यार्थी राज्य प्रावीण्य सूची में स्थान सुरक्षित कर पाए इस अवसर पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ,कलेक्टर बाला गुरु के ,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती स्वाति मिश्रा उपाध्याय ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राय सिंह मेवाड़ा ,पार्षदगण रवि शर्मा, अनाज व्यापारी संघ अध्यक्ष रुपेश राठौर और भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष राकेश प्रजापति ने दोनों होनहार विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह देकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया एवं आव्हान किया कि अभी आपको रुकना नहीं हैं बल्कि अपने अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित कर बाधाओं को पार करना हैं।

पानी की टंकी और अन्य व्यवस्थाओं का नपा अध्यक्ष ने लिया जायजा

वाटर वर्क्स पर लगेंगे 4 अतिरिक्त कैमरे

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने वाटर वर्क्स पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा की दृष्टि की को मद्देनजर रखते हुए रखते हुए वहां चार अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए जलप्रदाय शाखा के प्रभारी सुनील यादव आपको निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ पार्षद नारायण सोनी के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

नगर में दोनों समय उपभोक्ताओं को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति एवम सभी संसाधनों की मौजूदगी और कर्मचारियों की जवाबदेई तय करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती यादव इन दिनों निर्माण कार्य एवं नागरिकों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं की उपलब्धि के लिए सतत निरीक्षण कर रही हैं। गुरुवार के दिन उन्होंने नौलक्खी मंदिर स्थित वाटर वर्क्स और बेतवा के जल स्तर का बारीकी से अध्ययन किया।

इसी तरह नपा अध्यक्ष श्रीमती यादव ने नगर में मौजूद पानी की टंकियों की सुरक्षा के लिए सुबह शाम कर्मचारियों की तैनाती को जांचने की बात

भी उपस्थित नपा के अधिकारी कर्मचारियों से कहीं। इस मौके पर उन्होंने पानी में मिलने वाली फिटकरी और ब्लीचिंग की मात्रा और गुणवत्ता को भी बारीकी से देखा। उन्होंने बेतवा के जल स्तर को देखकर प्रसन्नता भी जाहिर की।

वाटर वर्क्स पर चार अतिरिक्त कैमरे लगाए जा रहे हैं ताकि पूरे परिसर की सतत मॉनिटरिंग और निगरानी की जा सके। इसी तरह पानी की टंकी पर 24 घंटे कर्मचारी की तैनाती भी की जा रही है। पुलिस को भी पत्र भेजकर रात के समय गस्ती के दौरान पानी की टंकियां की सुरक्षा पर निगरानी करने का अनुरोध किया जाएगा।

शशि अनिल यादव
अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद

अनुशासन और एकाग्रता से ही प्रावीण्यता प्राप्त होती है : परमार

आष्टा, देशबन्धु। नकुल प्रजापति ने स्वाध्याय को अपना कर मध्यप्रदेश की प्रावीण्यता सूची में अपना नाम दर्ज करा के हमारे अंचल का, अपने माता पिता और मार्गदर्शक गुरुजन का गौरव बढ़ाया है । कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ पढ़ाई लिखाई से नकुल प्रजापति को प्राप्त सुयश का हम अनुमोदन करते हैं ।

सी. एम. राइज स्कूल के उनके शिक्षक गण और उनके माता पिता भी बधाई के पात्र है । नकुल का सुयश सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद है । यह उद्गार पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने कक्षा बारहवीं में राज्य स्तरीय प्रावीण्यता प्राप्त छात्र नकुल प्रजापति का अभिनन्दन करते हुए व्यक्त किये । अपनी सफलता से प्रफुल्लित बायोलॉजी के छात्र नकुल ने बताया कि उन्हें बारहवीं में 94.8 प्रतिशत अंको के साथ सभी अनिवार्य विषयों में विशिष्ट

योग्यता प्राप्त हुई । वो अपने सुयश का श्रेय माता पिता द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुकूल वातावरण तथा शिक्षकों के समुचित प्रोत्साहन को देते हैं । जीव विज्ञान के क्षेत्र में ही आगे बढ़ने को लालायित नकुल प्रजापति ने आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर दी है । उनका कहना है कि आत्म नियंत्रण और एकाग्रता से सेल्फ स्टडी करके वो बारहवीं के परिणाम की तरह ही अपने अगले लक्ष्य को प्राप्त करेंगे । कैलाश परमार के साथ ही एडवोकेट सुरेंद्र परमार, पत्रकार संजय जैन किला, वीरेंद्र सिंह परमार, सुनील प्रगति आदि ने भी नकुल प्रजापति का दुपट्टा और माला पहना कर सम्मान किया तथा उन्हें बधाई दे कर उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं ।

नाली साफ करने जुटे सफाई कर्मचारी

आष्टा, देशबन्धु। लगातार बारिश के चलते नालियों का कचरा नाले नालियों में जमा हो गया था। जिसकी खबर प्रमुखता के साथ इस संवाददाता ने लगाई थी।

खबर का असर

जिस पर से नगर पालिका ने गम्भीरता से लेते हुए बुधवारा स्थित खारी खुंडी के सामने नाले पर लगा हुआ लोहे के गेट को हटाया गया, और सुबह से लेकर शाम तक सफाई की। तब जाकर पानी की निकासी हुई साथ में पाईप लाईन भी टूटी हुई निकली जिसे भी जोड़ा गया। वार्ड में आज नल नहीं चले यह समस्या अधिक बारिश होने पर अधिकांश आती है। इसका भी कोई ठोस नहीं निकल पाया।

आकस्मिक बिजली गिरने से मवेशी की मौत

आष्टा, देशबन्धु। ग्राम पंचायत जस्सूपुरा अंतर्गत आमखेड़ी में तेज आंधी के बीच आकाशीय बिजली गिरने से 2 मवेशी की मौत हो गई। बताया जाता है कि, उक्त मवेशी नफीस खां के थे। जिसकी कीमत 1 लाख आंकी गई। सरपंच इदरीस खान ने बताया कि, घर के बाहर भैस और उसका बच्चा बंधा हुआ था। अचानक आंधी तूफान के साथ तेज बारिश हुई साथ में अचानक आकाश से बिजली भैस और पाड़े पर गिर गई जिससे दोंनों की मौत हो गई। ग्राम पंचायत द्वारा पटवारी और आम नागरिकों की उपस्थिति में पंचनामा बनाया गया।

तिरंगा लहराकर 3 दिवसीय उर्स का किया समापन

कव्वालों ने भर दिया हिन्दुस्तानियों में वतन परस्ती का जोश

सीहोर, देशबन्धु। हजरत दूल्हा बादशाह बाबा दरगाह परिसर बुधवार की रात हिन्दूस्तान जिंदावाद के नारों से गूंज उठा। कव्वालों ने अपने देशभक्ति और निसवती कलामों से हिन्दूस्तानियों में वतन परस्ती का जोश भर दिया। तिरंगा लहराकर तीन दिवसीय उर्स का समापन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय ने हिन्दूस्तानी सरजंमी को अपना मानकर देश की रक्षा में योगदान देने सहित देश को सुरक्षित रखने और भारतीय होने पर गर्व करने के साथ हिन्दु मुस्लिम सिख इसाई की एकता भाईचारे का पैगाम दिया।

शहर के हजरत दूल्हा बादशाह बाबा दरगाह पर इस वर्ष 57वां उर्स कुछ अलग ही दिखाई दिया। समाजसेवी नफीस बाबा के नेतृत्व में तहसील चौराहा से हजरतुल्लाह बादशाह बाबा दरगाह तक सूफीसंतों के द्वारा बेडबाजों

के साथ चादर जुलूस निकालकर मजार पर चादर पेश कर दुआ की गई। राजधानी के कव्वाल मुकर्रम वारसी एवं कव्वाल कासम झंकार ने बुधवार रात शमां बांध दिया।

सर्वधर्म हजरत दूल्हा बादशाह बाबा दरगाह कमेटी अध्यक्ष रिजवान पठान,महासचिव एवं राष्ट्रीय पसपांदा मुस्लिम महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नौशाद खान कमेटी उपाध्यक्ष हमीद हाजी, सूफी नफीस बाबा द्वारा उर्स कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय का सांफा बांधकर स्मृति चिंह भेंटकर फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि सर्वधर्म हजरतुल्लाह बादशाह बाबा दरगाह हिंदू मुस्लिम कमेटी के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उर्स मुबारक का आगाज पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय विधायक सुदेश राय और नीलेश राय द्वारा चादर पेश करने के बाद सोमवार 5 मई को मिलाद शरीफ के साथ हुआ। उर्स के दूसरे दिन 6 मई मंगलवार की रात राजस्थान के कोटा शहर के मशहूर कव्वाल गुलाम हुसैन, अनवर सावंरी और तारिक मियां द्वारा अपने कलाम पेश किए गए। निसवती और देश प्रेम से ओतप्रोत कव्वालियों के पहले पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के लिए दुआ की गई।

उर्स में शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या लोगों ने शिरकत की। कमेटी अध्यक्ष रिजवान पठान, सचिव नौशाद खान सूफी नफीस बाबा, बिलाल अहमद, भंवर लाल, हमीद हाजी, अनवर बाबा, अजहर बाबा,यामिन बिजली, अययूब, पटेल मेवाड़ा, पप्पू, मंत्री सहित अन्य पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका परिषद और दूर-दूर से आए हजरात का आभार व्यक्त किया।

खेल जगत

यात्रा और व्यस्त कार्यक्रम के कारण आईपीएल में खेलना चुनौतीपूर्ण है : स्टार्क

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा कि लगातार यात्रा और व्यस्त कार्यक्रम के कारण 2025 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना चुनौतीपूर्ण है। स्टार्क अब तक टूर्नामेंट में डीसी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, उन्होंने 11 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। उन्होंने ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत में कहा कि आपके पास एक ही स्थान पर सभी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, यात्रा और खेल के कारण यह काफी कठिन है। यह उन दिनों में से एक है, जब आप सब कुछ अलग-अलग करके अपना काम शुरू करते हैं। डीसी सेट-अप में अपनी भूमिका और इम्पैक्ट प्लेयर नियम के उपयोग के बारे में बात करते हुए, स्टार्क ने कहा कि हमलावर बनो - कई बार कई प्रारूपों में यही मेरी भूमिका रही है।

आरसीबी प्ले ऑफ में स्थान बनाने से मात्र एक कदम दूर

■ लखनऊ की कोशिश आरसीबी के खिलाफ मैच सहित बाकी तीनों मैच जीतने की

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 8 मई (देशबन्धु)। विराट कोहली के दनादन क्रिकेट में नए अंदाज से बल्लेबाजी कर अब तक जड़े सात बेहतरीन अर्द्धशतकों की बदौलत अपने पिछले लगातार चार सहित 11 में से कुल आठ मैच जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) गुजरात टाइटंस की तरह 16 अंकों के बावजूद अपनी कमतर नेट रन रेट के चलते 2025 आईपीएल में दूसरे स्थान पर है और प्ले ऑफ से बस एक जीत दूर है। आरसीबी अब लखनऊ सुपर जायंटस (एलएसजी) से लखनऊ में शुक्रवार का मैच जीत लेती है तो उसके 12 मैचों में नौ जीत के साथ 18 अंकों हो जाएंगे और उसका प्ले ऑफ में स्थान पक्का हो जाएगा। आरसीबी के लिए एक अच्छी बात यह है कि उसे लखनऊ सुपर जायंटस के बाद अपने बाकी दो मैच अब बाहर हो चुकी सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से अपने घर बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलने है। आरसीबी की कोशिश 11 मैचों से मात्र 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर चल रही लखनउ सुपर जायंटस से शुक्रवार को और इससे अगले दो मैचों में से एक और जीत कर 20 अंकों के साथ शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का करने पर रहेगी। अब फिलहाल शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटंस (11 मैच, 16 अंक), दूसरे स्थान पर चल रही आरसीबी और पंजाब सुपर किंग्स (11 मैच, 15 अंक) कुल तीन टीमें ही 20 या इससे ज्यादा अंक पर लीग का समापन कर सकती हैं। आरसीबी ने अपने पिछले मैच में अपने घर बेंगलुरू में विराट और उनके सलामी जोड़ीदार 21 बरस के जैकब बैथल और रोमारियो शेफर्ड के अर्द्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 213 रन बनाने के बाद नवोदित आयुष म्हात्रे (94) और रवींद्र जडेजा (77) के तेज अर्द्धशतकों के बावजूद सीएसके को 20ओवर में 5 विकेट पर 211 रन पर रोक कर दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की थी। वहीं लखनऊ सुपर जायंटस अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से उसके घर धर्मशाला में 37 रन से हार गई थी। लखनऊ सुपर जायंटस की टीम अपने पिछले लगातार तीन और पांच में से कुल चार मैच हार प्ले ऑफ की होड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। लखनऊ सुपर जायंटस यदि अपने बाकी तीनों मैच जीतती है तो उसके अधिकतम 16 अंक हो सकते है और वह यही आस कर सकती है बाकी टीमें अचानक लय खो दें। लखनउ सुपर जायंटस की नेट रन -0.469 बेहद कमजोर है। लखनऊ सुपर जायंटस की कोशिश आरसीबी के खिलाफ मैच सहित बाकी तीनों मैच की होगी।

हमारे लिए अब बाकी तीनों मैच अहम : पाटीदार

सीएसके खिलाफ हमारा मैच खासा करीबी रहा। हमारे लिए अब बाकी तीनों मैच अहम हैं। हमारी जीत का श्रेय हमारे बल्लेबाजों की बढ़िया बल्लेबाजी को है। साथ ही हमारे गेंदबाजों ने बहुत सूझबूझ और पूरी शिद्दत से गेंदबाजी की। यश दयाल आखिर के मारधाड़ वाले ओवरों के लिए हमारे मुख्य गेंदबाज हैं। हम पहले ही तय कर चुके थे कि आखिर ओवर यश दयाल से ही कराना है और वह सीएसके खिलाफ मैच में खरे उतरे। मुझे लेग स्पिनर सुयश शर्मा पर भरोसा है और वह हमारी आरसीबी टीम के लिए बढ़िया गेंदबाजी कर रहे हैं। क्रीज पर उतरते ही जिस तरह शेफर्ड ने छक्के जड़े वह कतई आसान नहीं था। शेफर्ड के पास छक्के जड़ने की ताकत और कौशल है और हम सभी ने डगआउट में बैठ कर उनके छक्कों का आनंद लिया। लुंगी एंगिडी बहुत अनुभवी गेंदबाज हैं और मुझे उन पर भरोसा है।

गलत समय कैच टपकाना बहुत अखरता है : पंत

पंजाब किंग्स ने हमारे सामने जीत के लिए बड़ा लक्ष्य रखा। गलत समय कैच टपकाना बहुत अखरता है। हमने शुरू में सही लेंग्थ नहीं पकड़ी। यह खेल का हिस्सा ह। हमारी कम ही सही पर उम्मीद बरकरार है। हम यदि बाकी तीनों मैच जीतते हैं तो हम तस्वीर बदल सकते हैं। हमें मैच को आखिर तक ले जाने की जरूरत है।

मैंने अभी अपने भविष्य पर कोई निर्णय नहीं लिया है : धोनी

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। इस जुलाई में 44 साल का होने जा रहे एमएस धोनी ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि आईपीएल 2025 उनका आखिरी आईपीएल होगा या नहीं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली जीत के बाद धोनी ने कहा कि मैं साल में केवल दो महीने ही खेलता हूं। जब यह आईपीएल खत्म होगा, तो मुझे फिर से छह से आठ महीने में कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि मैं देख सकूं कि मेरा शरीर इस तरह का दबाव झेलने के लिए फिट है या नहीं। तो अभी मेरे लिए कुछ तय करने जैसा नहीं है, लेकिन जहां भी मैं गया हूं, वहां मुझे प्यार और अपनापन मिला है। धोनी अभी सीमित क्षमता के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा है कि उनके घुटने उन्हें ज्यादा देर बल्लेबाजी करने नहीं देते। बुधवार को, धोनी 13वें ओवर में मैदान पर आए, जब डेवाल्ड ब्रेविस एक आतिशी अर्धशतकीय पारी के बाद आउट हुए। उन्होंने शिवम दुबे का साथ निभाया और आखिरी ओवर में आंद्रे रसेल पर जरूरी छक्का लगाकर सीएसके को जीत दिलाई। इस जीत का आधार ब्रेविस और उनकी टीम के नए खिलाड़ी उर्विल पटेल ने रखा, जिन्होंने बुधवार को अपना आईपीएल डेब्यू किया। उर्विल ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा और फिर अपनी 11 गेंदों की 31 रन की पारी में तीन और छक्के लगाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 281.81 रहा।

मैं साल में केवल दो महीने ही खेलता हूं। जब यह आईपीएल खत्म होगा, तो मुझे फिर से छह से आठ महीने में कड़ी मेहनत करनी होगी : महेन्द्र सिंह धोनी

धोनी अभी भी सीएसके के अहम खिलाड़ी : बांगड़

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर दो विकेट से मिली रोमांचक जीत में एमएस धोनी के शांत स्वभाव और समझदारी की जमकर तारीफ की। बांगड़ ने कहा कि धोनी अब भी टीम के लिए मैच खत्म करने वाले सबसे अहम खिलाड़ी बने हुए हैं और कठिन हालात में भी उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल है। हाल के मैचों में उनका प्रदर्शन खासा असरदार रहा है। ईडन गार्डन्स में हुए इस मैच में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179/6 रन बनाए। जवाब में सीएसके के लिए डेवाल्ड ब्रेविस, ने 25 गेंदों में तेज 52 रन ठोककर टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद शिवम दुबे और धोनी ने मिलकर आखिरी पलों में रन बनाते हुए मैच को रोमांचक मोड़ पर पहुंचाया। जब चेन्नई को 12 गेंदों में 18 रन चाहिए थे, तब केकेआर ने तेजी से वापसी की और दुबे (45 रन, 40 गेंद) और नूर अहमद को जल्दी-जल्दी आउट कर दिया। अब सीएसके को आखिरी ओवर में 8 रन चाहिए थे और सिर्फ दो विकेट बाकी थे। तभी धोनी ने पहली गेंद पर छक्का लगाकर दर्शकों को उनका पुराना रूप याद दिला दिया और टीम को जीत दिलाई।

सचिन ने रोहित के टेस्ट करियर की सराहना की

कुल मैच	रन	औसम	50/100
67	4301	40.57	18/12

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रोहित शर्मा के शानदार टेस्ट करियर की सराहना की और उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने 2013 में ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित को टेस्ट कैप नंबर 280 प्रदान करने की याद भी ताजा की। रोहित ने अपने डेब्यू मैच में 177 रन बनाए और इसके बाद सीरीज के दूसरे टेस्ट में नाबाद 111 रन बनाए। दोनों ही मैच भारत ने एक पारी से जीते। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। यह तेंदुलकर का भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच भी था। तेंदुलकर ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, मुझे याद है कि 2013 में ईडन गार्डन्स में मैंने तुम्हें टेस्ट कैप दी थी और फिर दूसरे मैच में वानखेड़े स्टेडियम की बालकनी में तुम्हारे साथ खड़ा था-तुम्हारा सफर शानदार रहा है। तब से लेकर अब तक तुमने एक खिलाड़ी और एक कप्तान के तौर पर भारतीय क्रिकेट को अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। रोहित, तुम्हारे टेस्ट करियर के लिए बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं। रोहित के बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले ने सभी को चौंका दिया, क्योंकि भारत की इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली है। हाल के मैचों में खराब फॉर्म के बावजूद उन्होंने 67 मैचों में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर का अंत किया। पिछले कुछ सालों में उन्होंने 12 शतक और 18 अर्द्धशतक लगाए हैं, जिसमें अक्टूबर 2019 में रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 212 रन का करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। रोहित ने खुद को वनडे फॉर्मेट में खेलने के लिए प्रतिबद्ध किया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पिछले साल टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20आई प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। उनके नेतृत्व में, भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती और टूर्नामेंट में अपना तीसरा खिताब जीता। 2022 से भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में, रोहित ने बदलाव और चोटों के एक महत्वपूर्ण चरण के माध्यम से भारत का मार्गदर्शन किया।

लाल गेंद से रोहित शर्मा का सफर शानदार रहा: बीसीसीआई

मुंबई। क्रिकेट में मध्यक्रम से लेकर भारत के सबसे बेहतरीन टेस्ट ओपनर तक रोहित शर्मा का लाल गेंद का सफर शानदार रहा। उन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूप में टीम का नेतृत्व कर अपनी क्षमता का लौहा मनवाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को रोहित शर्मा को 'शानदार और प्रेरणादायक' टेस्ट करियर के लिए हार्दिक बधाई दी। जबकि वह अंतरराष्ट्रीय खेल में सबसे लंबे और सबसे छोटे प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखेंगे। रोहित टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके है। रोहित ने न केवल 4,301 टेस्ट रन, बल्कि एक ऐसी विरासत तय की जिसने देर से सफल होने के बावजूद और बड़ी सफलता का मतलब फिर से परिभाषित किया। रोहित ने 2013 में पर्दापण करने के बाद टेस्ट टीम में कई साल बिताए। वह इस धारणा से जूझते हुए कि वह केवल सफेद गेंद के विशेषज्ञ हैं। यह 2019 में निर्णायक रूप से बदल गया, जब उन्हें शीर्ष क्रम में पदोन्नत किया गया। इसके बाद जो हुआ वह एक शानदार दौर था जिसमें घरेलू मैदान पर शतक, इंग्लैंड में मास्टरक्लास और ऑस्ट्रेलिया में दमदार प्रदर्शन शामिल थे।

गिल टेस्ट कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे

मुंबई। रोहित शर्मा के संन्यास के बाद शुभमन गिल भारतीय टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हो गए हैं। इंग्लैंड का दौरा एक पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनकी पहली सीरीज हो सकता है। यह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। गिल की कप्तानी अब लगभग तय मानी जा रही है क्योंकि जसप्रीत बुमराह आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के दौरान वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण कुछ मैचों से बाहर भी रह सकते हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान थे और रोहित के न खेलने पर दो टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी भी की थी। इंग्लैड दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन इस महीने के अंत में हो सकता है। यह सीरीज भारत के लिए अगले डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत होगी और ऐसे में चयनकर्ता दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एक कप्तान चुनना चाहते हैं।

सार संक्षेप

27 मई से इंदौर में शुरू होगी मध्य प्रदेश लीग

इंदौर (मध्य प्रदेश)। 27 मई से इंदौर के होलकर स्टेडियम में मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नवीनतम सीजन अपने नए कलेवर के साथ दर्शकों को रिझाने के लिए तैयार है। पूरे राज्य में जमीनी स्तर पर क्रिकेट प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही यह लीग इस बार पहले से भी ज्यादा भव्य और शानदार होने वाली है। क्रिकेट इतिहास में पहली बार ऐसी लीग का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दर्शक पुरुषों के मैचों के साथ ही महिला क्रिकेट क्रिकेट का भी लुत्फ ले पाएंगे। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें भाग लेंगी, जिनमें एक टीम राजधानी भोपाल की भी होगी। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित पुरुषों की प्रतियोगिता में इस बार पिछले सीजन की पांच टीमों के मुकाबलों में बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्र की दो और टीमों को जोड़ा गया है। लीग के बारे में बोलते हुए ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महानारयमन राव सिंधिया ने कहा कि एमपीएल के साथ एक और शानदार वर्ष की शुरुआत होने जा रही है।

लुआन-ड्रे प्रिटोरियस हुए आरआर में शामिल

जयपुर। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को चोटिल नितीश राणा की जगह राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने दल में शामिल किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज प्रिटोरियस को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर टीम में जगह दी गई। 19 वर्षीय प्रिटोरियस ने अभी तक अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इस वर्ष के एसए-20 लीग के दौरान 12 मैचों में 166.80 की स्ट्राइक रेट के साथ सर्वाधिक 397 रन बनाए थे। पिछले वर्ष प्रिटोरियस अंडर-19 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आरआर इस टूर्नामेंट से सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल संदीप शर्मा की जगह नांद्रे बर्गर को चुना

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए संदीप शर्मा की चोट के कारण जगह लेने के लिए नांद्रे बर्गर को चुना है, फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। बाएं हाथ के दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज बर्गर, जिन्होंने पहले आईपीएल 2024 में आरआर के लिए खेला था और छह मैचों में सात विकेट लिए थे, 3.5 करोड़ रुपये में आरआर में शामिल हुए। इस सीजन में आरआर के लिए 10 मैच खेलने वाले संदीप को उंगली में फ्रैक्चर के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है। पिछले महीने सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ आरआर के मुकाबले के दौरान संदीप को चोट लगी थी, जिसे उन्होंने आठ विकेट से जीता था। चोट लगने के बावजूद, तेज गेंदबाज ने अपना चार ओवर का स्पेल पूरा किया, जिसमें उनके आंकड़े 1-33 रहे। उस दिन किसी भी आरआर गेंदबाज के लिए उनका इकॉनमी रेट सबसे अच्छा था - 8.25 - और उन्होंने ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर का विकेट भी लिया। फ्रेंचाइजी ने कहा कि उन्होंने पिछले मैच में इस चोट के साथ गेंदबाजी जारी रखने के लिए बहुत बहादुरी दिखाई और फ्रेंचाइजी में हर कोई उनके पूरी तरह से और जल्दी ठीक होने की कामना करता है।

मानसिकता में बदलाव कोहली के लिए बहुत कारगर साबित हो रहा है : गावस्कर

■ कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रन की शानदार पारी खेलकर आरसीबी की अगुआई की

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां) भारतीय बल्लेबाजी लीजेंड सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की मुंबई इंडियंस पर 12 रन की जीत में विराट कोहली की 67 रन की पारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि पारी की शुरुआत में ही लॉफ्टेड शॉट खेलने की दाएं हाथ के बल्लेबाज की मंशा उनके लिए बहुत कारगर साबित हुई। कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रन की शानदार पारी खेलकर आरसीबी की अगुआई की, जो इस सीजन का उनका दूसरा अर्द्धशतक है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने 32 गेंदों पर 64 रन और जितेश शर्मा ने 21 गेंदों पर 40 रन की तेज पारी खेलकर मेहमान टीम को एमआई के खिलाफ 221/5 का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। कोहली ने शानदार खेल दिखाते हुए जसप्रीत बुमराह का स्वागत मिड-विकेट पर छक्का लगाकर किया और फिर विग्नेश पुथुर पर छक्का मारकर सीजन का अपना दूसरा अर्द्धशतक पूरा किया। उनकी सनसनीखेज पारी का अंत तब हुआ जब वे 15वें ओवर में हार्दिक पांड्या का शिकार हो गए। गावस्कर ने कहा कि पिछले डेढ़ सत्र में सबसे बड़ा अंतर यह रहा है कि वे बहुत पहले ही लॉफ्टेड शॉट खेलने लगे हैं। पहले, लॉफ्टेड शॉट पारी के आखिर में आते थे, लेकिन अब वे पहली गेंद से ही जोखिम उठाने की कोशिश कर रहे हैं और इससे बहुत फर्क पड़ रहा है। गेंदबाज जो उनके ड्राइव और फ्लिक के लिए तैयार थे, अब गेंद को इनफील्ड से बाहर जाकर बाउंड्री के लिए जाते हुए देख रहे हैं।

रायुडू ने पाटीदार का समर्थन किया

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का जोरदार समर्थन किया है, उन्होंने 10 साल बाद मंगलवार रात वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराने के बाद उन्हें आईपीएल 2025 खिताब का गंभीर दावेदार बताया है। रायुडू को लगता है कि यह आखिरकार वह साल हो सकता है जब यह फ्रेंचाइजी अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करेगी और 18 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाएगी। उन्होंने कहा कि अगर आप उनकी टीम को देखें, तो उनके पास एक बहुत ही बढ़िया संयोजन है। अगर आप उन टीमों को देखें जो आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं, तो वे अभी भी अपने संयोजन आजमा रही हैं।

पीएसजी ने आर्सेनल को हराकर चैम्पियंस लीग के फाइनल में प्रवेश किया

■ सातवें मिनट में इतालवी खिलाड़ी ने और भी बेहतर स्टॉप बनाया

पेरिस, 8 मई (एजेंसियां)। पेरिस सेंट-जर्मेन यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में इंटर मिलान से खेलेगा, आर्सेनल के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 की जीत के बाद वे कुल मिलाकर 3-1 से विजयी हुए। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार आर्सेनल के पास फिर से प्रतिस्पर्धा में आने और यहां तक कि टाई को पलटने के मौके थे, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने उन्हें बार-बार निराश किया। हालांकि आर्सेनल ने पिछले हफ्ते पीएसजी के तीन-मैन मिडफील्ड के खिलाफ पहले चरण को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष किया था, लेकिन मिकेल आर्टेटा के खिलाड़ियों ने जल्दी ही दिखा दिया कि वे पहले चरण की हार को पलटने के लिए पेरिस आए थे। खेल शुरू हुए एक मिनट भी नहीं हुआ था जब जुरियन टिम्बर ने डेक्लान राइस के लिए क्रॉस किया, लेकिन हेडर से गेंद वाइड चली गई। मेहमान टीम ने मैदान में पीएसजी को पछाड़ने की कोशिश की, जिसमें बुकायो साका और गेब्रियल मार्टिनेली दोनों सक्रिय थे और मार्टिनेली ने रात में डोनारुम्मा के बेहतरीन बचावों में से पहला बचाव किया, जब उन्होंने थॉमस पार्टी के लंबे थ्रो को लगभग रोक दिया। सातवें मिनट में इतालवी खिलाड़ी ने और भी बेहतर स्टॉप बनाया, जब पार्टी का एक और लंबा थ्रो मार्टिन ओडेगार्ड के पास गिरा, जिसका लो ड्राइव नेट में जाने के लिए नियत था, जब तक कि डोनारुम्मा ने एक बढ़िया ब्लॉक बनाने के लिए नीचे नहीं आ गए। आर्सेनल ने आगे बढ़कर होम साइड को ब्रेक पर विकल्प दिए, जिसमें खविचा क्वारत्सखेलिया ने पोस्ट पर हिट किया, इससे पहले कि फैबियन रुइज ने 27वें मिनट में स्कोरिंग खोली। मिडफील्डर ने फ्री किक से पार्टी के हेडर क्लीयरेंस को अपने सीने पर नियंत्रित करने के लिए लपका और एक शक्तिशाली वॉली को घर में मारा, जो विलियम सलीबा से टकराया।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	गुजरात टाइटंस	11	8	3	16	+0.793
2-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	8	3	16	+0.482
3-	पंजाब किंग्स	11	7	3	15	+0.376
4-	मुंबई इंडियंस	12	7	5	14	+1.156
5-	दिल्ली कैपिटल	11	6	4	13	+0. 362
6-	कोलकाता नाइट राइडर	12	5	6	11	+0.193
7-	लखनऊ सुपर जायंट्स	11	5	6	10	-0.469
8-	सनराइजर्स हैदराबाद	11	3	7	7	-1.192
9-	राजस्थान रॉयल्स	12	3	9	6	-0.718
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	12	3	9	6	-0.992

मुख्यमंत्री मकरोनिया में 1119 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुए वर्चुअली शामिल, कहा-

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का प्रतीक

नवविवाहित जोड़ों को सफल वैवाहिक जीवन का दिया आशीर्वाद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समरसता, एकता और मितव्ययिता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि एक ही मंडप में कई जोड़ों का विवाह होना सामाजिक चेतना और बदलती सोच का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से सागर जिले की नरयावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजाखेड़ी बजरिया (मकरोनिया) में सम्पन्न सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का एक ही मंडप में विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब सामूहिक विवाह समाज द्वारा प्रसन्नतापूर्वक सहजता से अपनाए जा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि हमारे समाज की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैवाहिक आयोजनों से वर-वधू दोनों ही पक्षों का आर्थिक बोझ कम हो जाता है और इससे सामाजिक एकता को भी बल मिलता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से अब तक लाखों जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। यह योजना जरुरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान की तरह है। उन्होंने वर-वधू से कहा कि वे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ें। हमारी सरकार सबके रोजगार और सबके हितों की चिंता कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए हितानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल से उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र कुमार शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। इससे समाज में व्यापक स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए बताया कि आज ही सभी जोड़ों के खाते में योजना में कुल 6 करोड़ 37 लाख रुपए की धनराशि हस्तांतरित की जा रही है।

सम्मेलन के आयोजक नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सबके सहयोग से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में इस सामूहिक सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का विधिवत विवाह संपन्न कराया गया है। कार्यक्रम स्थल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक सागर शैलेंद्र जैन, विधायक बीना निर्मला सप्रे, विधायक बंडा वीरेंद्र लंबरदार, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे। जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे।

सरकार ने पेश की मिसाल: शर्मा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के जरुरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह का जिम्मा अब सरकार ने ले लिया है। बेटियों के हित में पूरी सरकार साथ हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने देश में एक मिसाल पेश की है। यहां धन के अभाव के कारण किसी गरीब परिवार को अपनी बेटी के विवाह के लिए क़र्ज़ नहीं लेना पड़ता। यहां सरकार कन्यादान योजना में अपने खर्च पर बेटियों का विवाह कराती है।

तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना: मप्र और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कल होगा एमओयू साइन

विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वाटर रिचार्ज परियोजना है तापी बेसिन मेगा रिचार्ज

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस की मौजूदगी में 10 मई को भोपाल में तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना का एमओयू होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के बाद अब मध्यप्रदेश में तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना पर कार्य होगा। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना के सभी अवरोध अब दूर हो गये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रिचार्ज परियोजना है। इसके जरिए महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर तापी नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-

कोना सिंचित करेंगे। उन्होंने कहा कि तापी बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टी.एम.सी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टी.एम.सी मध्यप्रदेश को और 19.36 टी.एम.सी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्यप्रदेश कुल 3 हजार 362 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लायी जाएगी। परियोजना में कोई गांव प्रभावित नहीं होगा अतः इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम प्रदेश की एक-एक नदी के एक-एक बूंद जल का समुचित उपयोग राष्ट्र और राज्य के हित में करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिस तरह पिछले दिनों हमने पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना का राजस्थान के साथ कार्य प्रारंभ किया है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा नदी जोड़ो की बड़ी राष्ट्रीय परियोजना पर काम किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अब हमने इस तीसरी राष्ट्रीय नदी जल परियोजना के जरिए महाराष्ट्र राज्य के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। इस परियोजना से महाराष्ट्र के उत्तर क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के दक्षिण क्षेत्र के हिस्से को पर्याप्त जल उपलब्ध कराएंगे। साथ ही नागपुर जैसे बड़े शहर में पीने के पानी की समस्या और छिंदवाड़ा जिले में भी सिंचाई जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

मार्गदर्शिका जारी

भोपाल, देशबन्धु। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयार विस्तृत मार्गदर्शिका का विमोचन किया। इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वसुलभ, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु सतत प्रयत्नशील है। शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाती है। मंत्री श्री परमार ने

कहा कि प्रदेश में तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों की सुविधा एवं मार्गदर्शन के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें पाठ्यक्रमों की जानकारी, पात्रता एवं प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया उपलब्ध है।

प्रदेश में 15 हजार ईको क्लब गठित

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिये विद्यालयों में ईको क्लब का गठन लगातार किया जा रहा है। अब तक 15 हजार ईको क्लब का गठन किया जा चुका है। प्रदेश में वर्ष 2022-23 से यूथ एण्ड ईको क्लब के गठन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये थे। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष ईको क्लब की गतिविधियों के संबंध में कैलेण्डर जारी किया जाता है।

गन्ना फसल एवं शुगर कारखानों के सतत विकास पर सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रदेश में कृषि और उद्योग के समन्वय से बदल रहा आर्थिक परिदृष्य : काश्यप

भोपाल, देशबन्धु। एमएसएमई और भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग के समन्वय का अनूठा प्रयोग प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में नई क्रांति ला रहा है। कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित मध्यप्रदेश में गन्ना फसल एवं शुगर कारखानों के सतत् विकास सम्मेलन में मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि खेती भारत की आत्मा है और एमएसएमई विभाग के माध्यम से शुगर फैक्ट्रियों की स्थापना से किसानों को बेहतर मार्केटिंग, तकनीकी सहायता एवं वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 3 मई को मंदसौर में आयोजित बड़े कृषि समारोह में कृषि मेले में उद्योगों को शामिल करने का यह पहला प्रयास मध्यप्रदेश की नई दृष्टि को दर्शाता

है। उन्होंने बताया कि सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 55 से 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है, जिससे प्रदेश की जीडीपी में कृषि का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। प्रभारी मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने और उत्पादकता के साथ जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। शुगर मिलों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये भूमि, बिजली और ऋण योजनाओं में विशेष रियायतें दी जा रही हैं। इससे कृषि क्षेत्र को बल मिलेगा, बेरोजगारी में कमी आएगी और आर्थिक समृद्धि के नए आयाम खुलेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने टॉपर छात्राओं से की बात, बोले-

मेहनत का सिलसिला जारी रखते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करें

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को वीडियो कॉल से माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 और 12वीं की टॉपर छात्राओं से बात कर उन्हें बधाई दी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हायर सेकण्डरी बोर्ड की परीक्षा में शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कु. प्रियल द्विवेदी ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

शिक्षा मंत्री ने कु. प्रियल से उनकी परीक्षा में की गई तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने वीडियो कॉल से कक्षा 10 हाई स्कूल परीक्षा की टॉपर सिंगरौली की कु. प्रज्ञा जायसवाल से भी बात की। उन्होंने कहा कि 500 अंक में से 500 अंक प्राप्त कर प्रज्ञा ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से देशभर के बच्चों को प्रोत्साहन मिला है। मंत्री श्री सिंह ने छात्रा कु. प्रज्ञा से उनके भविष्य की योजना में बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में छात्राओं का परीक्षाफल काफी बेहतर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से भी दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दोनों ही छात्राओं ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।